www.anokhateer.com anokhateer@gmail.com पंजीयन क्रमांक-एमपीएचआईएन 69306/1998

Epaper

दैनिक
अनोखा तीर
हरदा एवं नर्मदापुरम् से एक साथ प्रकाशित
निशाने पर हर खबर

16 दिसंबर 2025
हरदा, मंगलवार
वर्ष-15, अंक - 192, पृष्ठ-8
मूल्य- 2 रुपए
पौष कृष्ण पक्ष - 12
विक्रम संवत् 2082

सीएम डॉ. यादव ने बाबा विश्वनाथ का लिया आशीर्वाद

बनारस की गलियों में घूमे मोहन यादव, 'मलइयो' खाई, पूछा- क्या खिलाओगे?

अनोखा तीर, भोपाल/वाराणसी ।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार रात वाराणसी पहुंचे थे। सोमवार सुबह सीएम ने काल भैरव मंदिर में बाबा का विधिपूर्वक पूजन-अर्चन किया। हाथ में काला धागा भी बंधवाया। सीएम यादव काशी की गलियों में घूमने भी निकले। उन्होंने ठेठ बनारसी अंदाज में लोगों से बातचीत की। वाराणसी में सोमवार को काल भैरव मंदिर में दर्शन और पूजन किया। काशी की गलियों में घूमते हुए एक दुकान पर रुके। उन्होंने दुकानदार से कहा-क्या खिलाओगे? यहां सबसे फेमस मिठाई 'मलाईयो' का स्वाद चखा। पूजा और गलियों में घूमने के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव वाराणसी से जौनपुर के लिए रवाना हो गए थे। वहां, वह खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव के घर करंजाकला समसपुर पनियरिया में तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होंगे।

सीएम मोहन यादव बोले- यूपी अद्भुत, भाजपा विकास के पथ पर अग्रसर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा-यूपी अद्भुत है। बाबा विश्वनाथ की नगरी में आकर मन प्रसन्न हुआ। यह प्रधानमंत्री जी का गृह नगर है। उन्होंने यूपी के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष को भी बधाई दी। कहा- उनके नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी आगे बढ़ेगी।

हम सभी प्रधानमंत्री जी के दिशा-निर्देशों के अनुसार लगातार विकास के पथ पर काम कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी लगातार विकास के पथ पर अग्रसर है।

एयरपोर्ट पर भाजपा नेताओं ने किया स्वागत

सीएम मोहन यादव का हेलिकॉप्टर रविवार रात लगभग 10 बजे लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। एयरपोर्ट पर ही भाजपा के पदाधिकारियों और स्थानीय नेताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। वहां से सीधे ताज होटल पहुंचे। एमपी के मुख्यमंत्री से पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने मुलाकात की। संगठनात्मक विषयों और आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों पर चर्चा हुई। इसके अलावा क्षेत्रीय राजनीति, विकास से जुड़े मुद्दों और आपसी समन्वय पर भी विचार-विमर्श किया गया।

30 मिनट की बाबा विश्वनाथ की पूजा-अर्चना- सोमवार सुबह करीब 11 बजे सीएम डॉ. मोहन यादव, बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए पहुंचे। उन्होंने करीब आधा घंटे तक विधिपूर्वक बाबा का अभिषेक किया।

आज मुख्यमंत्री करेंगे सिंगल क्लिक से अनुग्रह सहायता योजना के 160 करोड़ रूपये का वितरण

अनोखा तीर, भोपाल ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 16 दिसम्बर 2025 को मंत्रालय, भोपाल में संबल योजना अंतर्गत, अनुग्रह सहायता के 7 हजार 227 प्रकरणों में राशि रुपये 160 करोड़ सिंगल क्लिक के माध्यम से वितरित करेंगे। कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल एवं विभिन्न स्थानों पर माननीय मंत्री गण एवं स्थानीय जन प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

संबल योजना, प्रदेश में असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है। इसमें अनुग्रह सहायता योजना के अंतर्गत दुघर्टना में मृत्यु होने पर 4 लाख रुपये एवं सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख रूपये प्रदान किये जाते हैं। इसी प्रकार स्थायी अपंगता पर 2 लाख रुपये एवं आंशिक स्थायी अपंगता पर 01 लाख रूपये तथा अंत्येष्टि सहायता के रूप में 5 हजार रूपये प्रदान किये जाते हैं। संबल योजना के अंतर्गत जहाँ एक ओर महिला श्रमिक को प्रसूति सहायता के रूप में 16 हजार

रूपये दिये जाते हैं तो वहीं दूसरी ओर श्रमिकों के बच्चों को महाविद्यालय शिक्षा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत उच्च शिक्षा में शिक्षा के लिए सम्पूर्ण शिक्षण शुल्क राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है।

भेड़ाघाट में सेल्फी लेते वक्त महिला नर्मदा में गिरी, मौत

- **पति और बेटी के सामने हुआ हादसा, शादी की सालगिरह मनाने गया था परिवार**

अनोखा तीर, जबलपुर । जबलपुर के पर्यटन स्थल न्यू भेड़ाघाट में मोबाइल से सेल्फी लेते वक्त एक महिला अपने पति और 10 साल की बेटी के सामने नर्मदा नदी में गिर गई। महिला की तलाश में घंटों तक गोताखोर जुटे रहे, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। रविवार शाम को घटनास्थल से करीब दो किलोमीटर दूर स्वर्गद्वारी में महिला का शव बरामद हुआ। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतका की पहचान विजय नगर निवासी स्वाति गर्ग (36) के रूप में हुई है। बताया गया कि शनिवार को स्वाति की शादी की

सालगिरह थी। इसे मनाने के लिए वह अपने पति, बेटी और सास के साथ न्यू भेड़ाघाट पहुंची थीं। इसी दौरान सेल्फी लेते समय उनका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में समा गईं।

परिवार संग मनाने आई थीं शादी की सालगिरह- विजय नगर के रामेश्वरम कॉलोनी निवासी आशीष गर्ग ओएफके फैक्ट्री में जूनियर वर्क मैनेजर के पद पर पदस्थ हैं। शनिवार दोपहर फैक्ट्री से लौटने के बाद वह परिवार के साथ शादी की सालगिरह मनाने निकले थे। त्रिपुरी माता के दर्शन करने के बाद आशीष अपनी पत्नी स्वाति, 10 वर्षीय बेटी आद्रिका और मां के साथ न्यू भेड़ाघाट पहुंचे। शाम के समय स्वाति मोबाइल से सेल्फी ले रही थीं, तभी अचानक उनका पैर फिसल गया और वह नर्मदा नदी में गिर गईं। पति और बेटी ने शोर मचाया तो मौके पर मौजूद गोताखोरों ने तुरंत नदी में छलांग लगाई, लेकिन तेज बहाव के कारण स्वाति का पता नहीं चल सका।

स्वर्गद्वारी में मिला शव

शनिवार शाम तक जब स्वाति नहीं मिली, तो आशीष ने तिलवारा थाना पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। रविवार को दोबारा तलाश शुरू की गई। शाम को घटनास्थल से करीब दो किलोमीटर दूर स्वर्गद्वारी क्षेत्र में स्वाति का शव मिला। पूछताछ में आशीष ने बताया कि हादसे से कुछ देर पहले ही स्वाति ने मोबाइल से फोटो ली थी, जिसे उन्होंने पुलिस को दिखाया। स्वाति की मौत के बाद से 10 वर्षीय बेटी का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पति सदमे में है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताई घटना- प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के समय न्यू भेड़ाघाट में काफी संख्या में लोग मौजूद थे। स्वाति नदी किनारे पत्थरों पर खड़ी थीं। उन्होंने आशीष से बेटी को मां के पास छोड़ने को कहा। जैसे ही आशीष बेटी को लेकर पीछे मुड़े, तभी शोर मचा। पलटकर देखा तो स्वाति पानी में गिर चुकी थीं और देखते ही देखते आंखों से ओझल हो गईं।

ग्वालियर में चलती कार से लटके युवक-युवती

ग्वालियर (एजेंसी)। ग्वालियर शहर में चलती कार से युवक-युवती के स्टंट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है।

वीडियो ग्वालियर के व्यस्त कटोरा ताल रोड का बताया जा रहा है। इसमें साफ तौर पर देखा जा सकता है कि एक युवक चलती कार का गेट खोलकर बाहर की ओर लटका हुआ है। इतना ही नहीं, कार में मौजूद एक युवती भी गेट से बाहर निकलकर लटकने का प्रयास करती नजर आ रही है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो पीछे चल रही एक अन्य कार में सवार व्यक्ति ने अपने मोबाइल कैमरे में रिकॉर्ड किया।

मनचले की बीच सड़क पिटाई

- **अस्पताल चौराहे पर महिला ने चप्पलों से मारा; वीडियो सामने आया**

रीवा (एजेंसी)। रीवा के अस्पताल चौराहे पर एक महिला ने मनचले की चप्पलों से पिटाई कर दी। युवक ने महिला के साथ बीच सड़क पर अभद्रता की थी। इसके बाद महिला ने हिम्मत दिखाते हुए उसे मौके पर ही सबक सिखाया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि महिला मनचले को पीट रही है, जबकि आसपास मौजूद लोग तमाशबीन बने हुए हैं। घटना अस्पताल जैसे भीड़भाड़ वाले इलाके की है, जिससे महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

प्रदेश में सीजन का पहला कोहरा

मुरैना-रायसेन में विजिबिलिटी 50 मीटर, आज 14 जिलों में अलर्ट; अगले 3 दिन शीतलहर नहीं चलेगी

अनोखा तीर, भोपाल ।

मध्यप्रदेश में सोमवार की सुबह घने कोहरे के साथ शुरू हुई। रीवा में हालात सबसे ज्यादा खराब रहे, जहां 50 मीटर के बाद कुछ भी नजर नहीं आया। मुरैना-रायसेन में भी विजिबिलिटी 50 मीटर रही। ऐसे में वाहन चालक हेडलाइट के सहारे आगे बढ़े। वहीं, भोपाल में विजिबिलिटी 500 से 1 हजार मीटर के बीच दर्ज की गई। कई स्थानों पर स्थिति यह रही कि सुबह 11 बजे तक भी 2 से ढाई किलोमीटर दूर तक साफ दिखाई नहीं दे रहा था। ठंड के इस सीजन में यह पहली सुबह रही, जब प्रदेश के कई हिस्सों में घना कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग के अनुसार, कोहरे का सबसे ज्यादा असर रीवा में देखा गया। छतरपुर के खजुराहो में विजिबिलिटी 50 से 200 मीटर रही। वहीं भोपाल, ग्वालियर, दतिया और सीधी में दृश्यता 500 से 1 हजार मीटर के बीच दर्ज की गई।

इंदौर, नर्मदापुरम, सागर, रतलाम, दमोह और मंडला में 1 से 2 हजार मीटर तक विजिबिलिटी रही।

इसके अलावा अशोकनगर, पचमढ़ी, टीकमगढ़, विदिशा, शाजापुर, सीहोर और देवास में भी कोहरे वाली सुबह रही। सोमवार सुबह अशोकनगर में 20-25 मीटर विजिबिलिटी रही।

दूसरी ओर, तापमान में भी खासी गिरावट दर्ज की गई। प्रदेश के पांच बड़े शहरों में भोपाल सबसे ठंडा रहा, जहां न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इंदौर में 6.6 डिग्री, ग्वालियर में 9.1 डिग्री, उज्जैन में 9.3 डिग्री और जबलपुर में न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री सेल्सियस रहा।

- **17 दिसंबर से फिर नया सिस्टम, ठंड बढ़ेगी-** मौसम विभाग के अनुसार, नए नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) 17 दिसंबर की रात से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करने की संभावना है। जिसका असर एमपी में अगले दो-तीन दिन में दिखाई देने लगेगा। इससे ठंड का असर फिर से बढ़ जाएगा।
- **पचमढ़ी-कल्याणपुर सबसे ठंडे, भोपाल में 7 डिग्री पहुंचा पारा-** मौसम विभाग के अनुसार, रविवार की रात में प्रदेश के अधिकांश शहरों में पारा 10 डिग्री से कम रहा। 5 बड़े शहरों में इंदौर सबसे ठंडा रहा। यहां तापमान 6.4 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल में 7 डिग्री, जबलपुर में 9.4 डिग्री, ग्वालियर-उज्जैन में 9.8 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, पचमढ़ी प्रदेश में सबसे ठंडा रहा और यहां तापमान 5.2 डिग्री दर्ज किया गया। राजगढ़-कल्याणपुर में 5.6 डिग्री, शाजापुर में 6.1 डिग्री, मंदसौर में 6.7 डिग्री, रीवा-उमरिया में 7.2 डिग्री।

एसडीएम पर रेत माफिया का हमला

भिंड में अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाई करने गए थे; 2 ट्रॉलियां जब्त की

भिंड (एजेंसी)। भिंड में सोमवार सुबह मिहोना बायपास पर एसडीएम की गाड़ी को रेत माफिया के ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। एसडीएम विजय सिंह यादव अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाई करने पहुंचे थे। गनीमत रही कि इस दौरान किसी को चोट नहीं आई। एसडीएम की गाड़ी को आगे से नुकसान हुआ है। पुलिस ने मौके से रेत से भरी दो ट्रॉलियां जब्त की हैं। जानकारी के मुताबिक, लहार एसडीएम विजय सिंह यादव को अवैध रेत परिवहन की सूचना मिली थी। वे सुबह करीब 10.30 बजे मिहोना बायपास पहुंचे। वहां रेत से भरी दो ट्रैक्टर ट्रॉली बिना रॉयल्टी और ओवरलोड मिलीं। एसडीएम ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो एक ड्राइवर ने कार्रवाई से बचने के लिए जानबूझकर एसडीएम की गाड़ी में ट्रैक्टर घुसा दिया। टक्कर से अफसर की गाड़ी को नुकसान पहुंचा है।

चार बच्चों के साथ घर से गायब हुई महिला

एक बच्चे का शव नदी में मिला, दो बच्चों को खोजा

अनोखा तीर, ओंकारेश्वर ।

इंदौर की एक महिला बिना बताए अपने घर से चार बच्चों को लेकर ओंकारेश्वर घूमने आ गई। महिला तीन दिन से लापता है, रविवार को उसके दो बच्चों को मोरटक्का स्थित नर्मदा पुल पर देखा गया। कुछ देर पहले ही उन बच्चों ने मां और अपने भाई-बहनों के साथ एक होटल में भोजन किया था। लावारिस मिलने की सूचना पर पुलिस पहुंची और उन्हें चौकी लेकर आई। वहीं सोमवार को एक बच्चे का शव नदी में मिला।

2 बच्चों को गूगल मैप से पता खोजकर पिता के हवाले किया

डेढ़ साल की लड़की और 6 साल के लड़के को देखकर पुलिस भी हैरत में पड़ गई। उनके परिजन को ढूंढ़ना पुलिस के लिए मुश्किल हो रहा था। इसी बीच पुलिस कांस्टेबल चेतनसिंह चौहान ने 6 साल के बच्चे से पूछा कि कहां रहते हो, किसके साथ आए थे। बच्चे ने बताया कि, वो इंदौर में रहते हैं और उनकी मां उन्हें लेकर आई थी। मां अपने साथ दो भाईयों को ले गई और हमें यही छोड़ गई। वो कहां गई है, यह हमें भी नहीं मालूम।

उज्जैन में चाइनीज मांझे पर पुलिस की सख्ती

अनोखा तीर, उज्जैन । उज्जैन में पतंगबाजी के दौरान इस्तेमाल हो रहे चाइनीज मांझे से लोगों की जान को खतरे में डालने वालों के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। मुखबिर से मिली सूचना पर नीलगंगा थाना पुलिस ने रविवार शाम पांच लोगों को पकड़ा और उनके कब्जे से करीब 30 हजार रुपए कीमत की 47 रील चाइनीज मांझा जब्त किया है।

पुलिस ने आरोपियों का जुलूस निकाला और उनसे उठक-बैठक भी लगवाई। इतना ही नहीं, आरोपियों ने कान पकड़कर आगे से चाइना धागा नहीं बेचने की कसम भी खाई। नीलगंगा थाना प्रभारी तरुण कुरील ने बताया कि शिवांश एलियंस बिल्डिंग के पीछे चाइनीज मांझा रखे जाने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने मनीष कुकरेजा, हर्ष बारोड़ और एक अन्य को पकड़ा।

पदयात्री महिलाओं को कार ने कुचला

- **2 की मौत, तीन घायल भोपाल रेफर**

एकादशी पर खाटू श्याम मंदिर जा रहीं थीं

ब्यावरा (एजेंसी)। ब्यावरा में आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार को खाटू श्याम मंदिर के दर्शन के लिए पदयात्रा कर रही महिला श्रद्धालुओं के एक जत्थे को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गईं। यह घटना ब्यावरा से लगभग 7 किलोमीटर दूर खानपुरा गांव के पास निर्माणाधीन फ्लाईओवर के पास हुई। चाचौड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम खेरबे निवासी ये महिलाएं एकादशी के अवसर पर ब्यावरा स्थित खाटू श्याम मंदिर जा रही थीं। गुना की ओर से आ रही एक सियाज कार सवार देवास निवासी शुभम मिश्रा ने इन पदयात्री श्रद्धालुओं को टक्कर मार दी। वह गुना की ओर से देवास जा रहा था। हादसे के बाद ड्राइवर भाग गया।

तीन महिलाएं भोपाल रेफर

हादसे में सीमाबाई गुर्जर की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल चिंता बाई ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। शीतल बाई, सीमा बाई और रामकंवर घायल हुई हैं। सभी घायलों को तत्काल सिविल अस्पताल ब्यावरा ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए भोपाल रेफर किया गया।

तवा डेम से पानी कम होने पर सूखने लगी नहरें

किसानों ने कार्यपालन यंत्री को बताई समस्या

अनोखा तीर, मसनगांव। तवा डेम से बीते दो दिनों से पानी कम किए जाने के कारण क्षेत्र की अधिकांश नहरें सूख गई हैं। रबी फसल की सिंचाई के लिए तवा डेम से पहले 3850 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था, जिसमें से हरदा जिले को 1985 क्यूसेक पानी मिल रहा था। इटारसी के पास जमानी गांव में तीन लोगों के नहर में डूबने की घटना के बाद डेम से पानी कम कर दिया गया, जिससे नहरों में जल आपूर्ति प्रभावित हो गई। बताया गया कि रविवार को 1100 क्यूसेक पानी कम किए जाने से कुल डिस्चार्ज घटकर 2700 क्यूसेक रह गया, वहीं हरदा जिले की चैन क्रमांक 30008 पर पानी घटकर लगभग 1500 क्यूसेक रह गया। इसका असर सोनतलाई और रेवापुर सबडिवीजन की शाखा नहरों पर पड़ा है, जहां पानी आना बंद हो गया है। ऐसी स्थिति में किसानों को नहर में पानी आने का इंतजार करना पड़ रहा है। पानी की कमी को देखते हुए ग्राम के किसानों का एक दल कार्यपालन यंत्री सोनम वाजपेई से मिला और पिछले आठ दिनों से नहर में पानी नहीं आने की समस्या से अवगत कराया। किसानों पवन भायरे, अरविंद भायरे, अमित छलोत्रे और संदीप मुकाती ने बताया कि एक माह बीतने के बावजूद गेहूं की फसल में पहला पानी नहीं मिल पाया है। जिन किसानों ने पलावा कर फसल बोई थी, उन्हें भी सिंचाई का लाभ नहीं मिल पा रहा है, जिससे फसल प्रभावित हो रही है। सोनतलाई सबडिवीजन में रेलवे लाइन के नीचे के खेतों में आठ दिनों से पर्याप्त पानी नहीं मिलने के कारण किसानों को रातभर जागकर परेशानी झेलनी पड़ रही है। किसानों ने नहरों में पानी बढ़ाने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर को भी ज्ञापन सौंपा है। कार्यपालन यंत्री सोनम वाजपेई ने बताया कि तवा डेम से वर्तमान में कम पानी छोड़ा जा रहा है, जिससे यह स्थिति बनी है। समस्या से उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है और रेस्क्यू ऑपरेशन समाप्त होते ही पानी बढ़ाया जाएगा। किसानों का कहना है कि यदि जल्द ही तवा डेम से पानी नहीं बढ़ाया गया तो फसलों को भारी नुकसान हो सकता है।

तीन बार घटाया डेम से पानी, अंतिम छोर के किसान परेशान

इस वर्ष तवा डेम से पानी छोड़े जाने के बाद अब तक तीन बार पानी कम किया जा चुका है, जिसका सबसे अधिक असर अंतिम छोर पर आने वाले सबडिवीजन और किसानों पर पड़ रहा है। कई किसानों के खेतों में सिंचाई किए 20 दिन से अधिक हो चुके हैं, वहीं कुछ स्थानों पर एक माह से अधिक समय बीत चुका है। समय पर पानी नहीं मिलने से उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

कॉलेज चलो अभियान...

-पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में हुआ जागरुकता कार्यक्रम

अनोखा तीर, टिमरनी। मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत आज पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, टिमरनी में छात्राओं को उच्च शिक्षा के प्रति जागरूक करने हेतु मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को महाविद्यालयीन शिक्षा, प्रवेश प्रक्रिया एवं भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराना रहा। कार्यक्रम में विद्यालय की ओर से डॉ. मुकेश तिवारी ने अपने उद्बोधन में छात्राओं को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर अध्ययन करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कॉलेज चलो अभियान की सराहना करते हुए इसे छात्राओं के भविष्य निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। महाविद्यालय की ओर से डॉ. सुनीत काशिव द्वारा महाविद्यालय का परिचय प्रस्तुत किया गया। उन्होंने उपलब्ध पाठ्यक्रमों, शैक्षणिक सुविधाओं एवं उच्च शिक्षा से प्राप्त होने वाले अवसरों की जानकारी देते हुए छात्राओं को आगे अध्ययन हेतु प्रेरित किया। दीपक मालाकार ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए आवेदन की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों एवं समय-सीमा की जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को समय पर एवं सही जानकारी के साथ आवेदन करने का सुझाव दिया। मीनाक्षी यादव ने विद्यालय में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं का उद्देश्य छात्राओं के सर्वांगीण विकास को सुदृढ़ बनाना है। कार्यक्रम में डॉ. संजय पटवा ने शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्ध विविध अवसरों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा छात्राओं को आत्मनिर्भर, सक्षम एवं आत्मविश्वासी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम में कॉलेज चलो अभियान के उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी दी गई। इसमें कुल 60 छात्राओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. पवन नामदेव द्वारा किया गया।

धौलपुर में पांच दिवसीय परचरी पुराण का आयोजन

अनोखा तीर, धौलपुर कला। गांव के गुर्जर परिवार द्वारा पांच दिवसीय संगीतमय संत सिंगाजी महाराज की परचरी पुराण एवं आध्यात्मिक ज्ञान गंगा का आयोजन 20 दिसंबर से 24 दिसंबर तक किया जाएगा। कथा का वाचन संत शिरोमणि सिंगाजी महाराज की पावन तपोभूमि में जन्मे एवं उनके वंशज संतोष महाराज के द्वारा प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित होगी। कथा के अंतिम दिन पूर्णाहुति के पश्चात प्रसादी भंडारे के साथ आयोजन का समापन किया जाएगा। इस संगीतमय परचरी कथा का आयोजन पेटवले गुर्जर परिवार के हरमोहन, संतोष, अमरदास, राजकुमार, शिवदयाल, मांगीलाल, जय नारायण, सीताराम, अशोक, भोलू एवं दीपक द्वारा किया जा रहा है।

कांकरिया पंचायत के पास नहीं है स्वयं का भवन

स्कूल के कमरों में हो रहा संचालन

अनोखा तीर, मसनगांव। ग्राम पंचायत अंतर्गत ग्राम कांकरिया को बने तीन वर्ष से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन अब तक पंचायत का स्वयं का भवन नहीं बन पाया है। भवन के अभाव में पंचायत का संचालन स्कूल के कमरों में किया जा रहा है, जिससे पंचायत कार्यों के साथ-साथ विद्यालय संचालन में भी परेशानी उत्पन्न हो रही है। जानकारी के अनुसार पंचायत भवन निर्माण के लिए शासन की ओर से 18 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की जा चुकी है, लेकिन भूमि उपलब्ध न होने के कारण निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो सका है। ग्रामीणों द्वारा जल संसाधन विभाग की भूमि पर भवन निर्माण के लिए स्थान का चयन किया गया था, परंतु विभाग द्वारा एनओसी प्रदान नहीं किए जाने से कार्य अटका हुआ है। ग्राम की सरपंच रजवंती ठाकरे ने बताया कि शासन द्वारा भवन निर्माण की राशि स्वीकृत कर दी गई है। जल संसाधन विभाग की भूमि पर निर्माण की अनुमति के लिए विभाग से पत्राचार किया गया है, लेकिन अब तक स्वीकृति नहीं मिल पाई है। अनुमति मिलते ही भवन निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। इस संबंध में उच्च अधिकारियों को भी अवगत कराया गया है। वहीं पंचायत सचिव नंदलाल बघेल ने बताया कि पूर्व में ग्राम कांकरिया, ग्राम पंचायत मसनगांव के अंतर्गत आता था। पिछले चुनाव के दौरान इसे नई पंचायत का दर्जा दिया गया। पंचायत में सचिव एवं सहायक सचिव की नियुक्ति तो कर दी गई है, लेकिन भवन नहीं होने के कारण स्कूल के कमरों में पंचायत लगाई जा रही है। एक ही परिसर में पंचायत संचालन और माध्यमिक शाला के विद्यार्थियों की पढ़ाई होने से ग्रामीणों की आवाजाही बनी रहती है, जिससे स्कूल संचालन में भी बाधा उत्पन्न हो रही है। पंचायत की ओर से शासन को भवन निर्माण के लिए पत्र लिखा गया है। जल संसाधन विभाग से अनुमति मिलते ही निर्माण कार्य प्रारंभ कराने की बात कही गई है।

राम से बड़ा राम का नाम : पं. सुनील शर्मा

अनोखा तीर, रहटगांव। श्री सिद्ध खेड़ापति हनुमान मंदिर गणेश उत्सव समिति एवं समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से रहटगांव के पंछी मोहल्ले में संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कथा का वातावरण भक्तिमय बना हुआ है और प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु सहभागी हो रहे हैं। श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन प्रवचन करते हुए पं. सुनील शर्मा ने कहा कि जिन राम के नाम से समुद्र में पत्थर तैर गए, यदि हम भी उस नाम पर विश्वास रखें तो भले ही राम साक्षात न मिलें, पर उनका नाम हमें भवसागर में डूबने नहीं देगा। उन्होंने कहा कि भगवान राम और भगवान कृष्ण ने अवतार लेकर केवल मानव ही नहीं, बल्कि संपूर्ण जीवात्माओं का उद्धार किया। राम और कृष्ण की कथा पूरी न भी सुन पाएं तो उनका नाम जप लेना या नाम सुन लेना मात्र से ही मोक्ष के द्वार खुल जाते हैं। बालकृष्ण जन्म उत्सव के अवसर पर उन्होंने समुद्र मंथन का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि उससे निकला अमृत जीवात्मा से परे था, लेकिन इस धरती पर गाय और मां ने ही उसे अधरामृत के रूप में पिलाकर मानव को सक्षम बनाया। उन्होंने कहा कि धर्म और अमृत के विषय में जब राक्षस एक हो सकते हैं, तो मनुष्य को भी एक रहना चाहिए। घर की लड़ाई का समझौता सरल हो सकता है, लेकिन धर्म की लड़ाई का समझौता कठिन होता है। पं. सुनील शर्मा ने महाभारत का उदाहरण देते हुए कहा कि कौरवों के पास संख्या अधिक थी और श्रीकृष्ण की पूरी सेना भी उनके साथ थी, लेकिन स्वयं श्रीकृष्ण धर्म और पांडवों के पक्ष में थे। नंद घर आनंद भयो के साथ पूरा कथा स्थल धर्ममय हो गया। कथा के दौरान प्रतिदिन प्रातःकाल भगवान का पूजन पं. अभिषेक शर्मा एवं पं. बालकृष्ण शर्मा द्वारा कराया जा रहा है। श्रीमद् भागवत की आरती के उपरांत महाप्रसाद का वितरण भी किया गया।

नवीन माध्यमिक शाला सिंधखेड़ा में हुआ तिथि भोज

अनोखा तीर, रहटगांव। कन्या हाईस्कूल संकुल के अंतर्गत नवीन माध्यमिक शाला सिंधखेड़ा में तिथि भोजन का आयोजन किया गया। यह आयोजन सरकार की 'तिथि भोजन योजना' के तहत किया गया, जिसके अंतर्गत मध्याह्न भोजन के दौरान त्योहारों अथवा राष्ट्रीय दिवस जैसे विशेष अवसरों पर बच्चों को अतिरिक्त एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाता है। इस योजना का उद्देश्य सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से कुपोषण को कम करना है। कार्यक्रम के दौरान शिक्षक जमुनादास पाटिल एवं मुकेश राजगीरे द्वारा विद्यार्थियों को दाल, बाटी, चूरमा तथा दाल–चावल का भोजन कराया गया। आयोजन के समय संकुल प्राचार्य सिद्धार्थ जोशी, जेएसके प्रभारी गौरव श्रीवास, जन शिक्षक मुकेश मालवीय सहित शिक्षक संतोष वर्मा, शिवशंकर ढोल्या, निलेश कुमार गौर, अखलेश मालवीय, पंकज मिश्रा और मनोज मालवीय उपस्थित रहे।

दिल्ली शंखनाद महोत्सव : भारत की सामरिक नीति पर मंथन!

विश्व सनातन संस्कृति की ओर अग्रसर : डॉ. सुधांशु त्रिवेदी

अनोखा तीर, नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जो लोग कभी सनातन संस्कृति की आलोचना करते थे, वे आज उसके मूल्यों को अपना रहे हैं। लोग अब रासायनिक खेती के स्थान पर जैविक खेती अपना रहे हैं, चाय-कॉफी के स्थान पर 'हर्बल टी' की ओर रुख कर रहे हैं, और पहले जो एकेश्वरवाद की बात करते थे, वे अब अनेक देवताओं को मानने लगे हैं। 177 देशों ने संयुक्त राष्ट्र में भारत द्वारा प्रस्तावित 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के प्रस्ताव का समर्थन किया है। यूरोपीय देशों के लाखो नागरिक भी अब कुंभ मेले में सम्मिलित होने आने लगे हैं। यह परिवर्तन सनातन संस्कृति की वैश्विक स्वीकृति का द्योतक है। यह बदलाव बिना किसी पर आक्रमण किए स्वाभाविक रूप से हो रहा है, उन्होंने कहा। वे 'सेव कल्चर सेव भारत फाउंडेशन' और 'सनातन संस्था' द्वारा आयोजित 'सनातन राष्ट्र शंखनाद महोत्सव' में बोल रहे थे।

'गज़वा-ए-हिंद' को वैचारिक उत्तर देना होगा : कर्नल – कार्यक्रम के 'रणसंवाद भारत की सामरिक नीति' सत्र में 'रॉ' के पूर्व अधिकारी कर्नल आर.एस.एन. सिंह ने कहा कि 'हमारे देश में एक अंदरूनी पाकिस्तान भी मौजूद है। हम पाकिस्तान के विरुद्ध 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसी कार्रवाई कर सकते हैं, परंतु देश के भीतर के पाकिस्तान से कैसे निपटेंगे? आज राजनीति में सत्ता पाने का एक माध्यम अंदरूनी पाकिस्तान एवं देशद्रोहियों की मदद लेना बन गया है। अब 'गज़वा-ए-हिंद' के वैचारिक युद्ध का आरंभ करना आवश्यक है। विंग कमांडर विनायक डावरे ने कहा कि '1971 के युद्ध में 93,000 पाक सैनिकों ने आत्मसमर्पण किया, परंतु हम नैरेटिव की लड़ाई हार गए। भारत को अपनी सफलताओं का सही प्रचार कर देश की छवि मजबूत करनी होगी।' ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) संजय अग्रवाल ने कहा, 'भारत-चीन 1962 के युद्ध पर अक्सर चर्चा होती है, लेकिन 1967 के युद्ध में भारत ने चीन को पराजित किया था, यह भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। भारत अपनी शक्ति को पहचाने, इसके लिए ऐसे महोत्सवों की आवश्यकता है। देश को अपने लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए। यूथ फॉर पनून कश्मीर' के अध्यक्ष राहुल कौल ने कश्मीरी हिंदुओं के संघर्ष के बारे में बताते हुए कहा, 'कश्मीरी हिंदुओं का नरसंहार हुआ, यह बात सरकारें आज भी मानने को तैयार नहीं हैं। पर्यटन से आतंकवाद रुक जाएगा, इस भ्रम में कोई न रहे। जगती, जम्मू में 16 जनवरी 2026 से एक विशेष अभियान शुरू कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के हिंदुओं को देश के सभी हिंदुओं के सहयोग की आवश्यकता है। दूरदर्शन (डीडी) न्यूज़ के संपादक अशोक श्रीवास्तव ने कहा, जब कुछ राजनीतिक नेता हिंदुत्व को डेंगू, मलेरिया, एड्स कहते हैं, तब मीडिया चुप रहती है। वर्तमान में इस्लामोफोबिया की चर्चा हो रही है। वास्तव में हिंदूफोबिया बहुत बड़े स्तर पर है। हिंदूफोबिया पर एक रिपोर्ट है। भारत में दिसंबर 2025 के पहले 11 दिनों में केवल हिंदू होने के कारण हिंदुओं को परेशान किए जाने की 104 घटनाएं हुई हैं।'

हंडिया में नासूर की तरह बढ़ रहा अवैध अतिक्रमण

अनोखा तीर, हंडिया। नर्मदांचल क्षेत्र के हंडिया में अवैध अतिक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है। स्थिति यह है कि बिना किसी रोक-टोक के मनमाने ढंग से पक्के भवनों का निर्माण किया जा रहा है, जिससे अतिक्रमणकारियों के हौसले लगातार बुलंद होते नजर आ रहे हैं। वहीं जिम्मेदार विभाग कार्रवाई के नाम पर केवल औपचारिकता निभाते दिखाई दे रहे हैं। यदि हंडिया के विभिन्न वार्डों की बात की जाए तो यहां शासकीय छोटी घास की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर भवन निर्माण किया जा रहा है। चारों ओर अतिक्रमणकारियों का बोलबाला बना हुआ है। स्थानीय ग्रामीणों का दबी जुबान में कहना है कि राजस्व विभाग और संबंधित अधिकारी इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं, जिसके कारण मार्गों की हालत भी दयनीय होती जा रही है। अनुसूचित जाति-जनजाति बालिका छात्रावास के पास भी कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से भवन निर्माण किया जा रहा है। इसी प्रकार क्षेत्र में कई स्थानों पर शासकीय भूमि पर कब्जा कर पक्के निर्माण किए जा रहे हैं, लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। इससे आमजन में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

कैम्पस ड्राइव में 33 युवाओं का प्रारंभिक चयन

अनोखा तीर, हरदा। जिले के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सोमवार को शासकीय आईटीआई हरदा में इजीसॉफ्ट प्रायवेट लिमिटेड कम्पनी द्वारा एक दिवसीय कैम्पस ड्राइव का आयोजन किया गया। प्राचार्य शासकीय आईटीआई हरदा उदयसिंह राठौड़ ने बताया कि कैम्पस ड्राइव में कुल 180 आवेदक उपस्थित हुए। इनमें से 33 आवेदकों का प्रारंभिक चयन कम्पनी द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से किया गया। इनमें से टेक्निशियन पद के लिए 31 तथा साइट इंजीनियर पद के लिए 2 आवेदकों का चयन हुआ। प्राचार्य श्री राठौड़ व प्रशिक्षण एवं नियोजन अधिकारी शुभम मिश्रा व संस्था परिवार ने चयनित आवेदकों के उज्जवल भविष्य के लिये शुभकामनाएं दी।

सार-समाचार

जिपं की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक

अनोखा तीर, हरदा। जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति व सामान्य सभा की बैठक 18 दिसम्बर को आयोजित की गई है। जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती अंजली जोसेफ ने बताया कि जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक दोपहर 1 बजे से तथा सामान्य सभा की बैठक दोपहर 2 बजे से जिला पंचायत के सभा कक्ष में जिला पंचायत अध्यक्ष गजेंद्र शाह की अध्यक्षता में आयोजित होगी।

प्राकृतिक कृषि और नरवाई प्रबंधन को लेकर कलेक्टर ने दिए निर्देश

अनोखा तीर, हरदा। जिले में जैविक कृषि, नरवाई प्रबंधन और कृषि अवसंरचना निधि की प्रगति की समीक्षा बैठक कलेक्टर सिद्धार्थ जैन की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में कृषि संबंधी महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान जैविक कृषि अंतर्गत विकासखंड स्तर पर

टिमरनी में जैविक हाट बाजार के संचालन तथा विकासखंड हरदा व खिरकिया में जैविक हाट बाजार के शुभारंभ के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में कलेक्टर ने बायो रिसोर्स सेन्टर की स्थापना एवं लाल बहादुर शास्त्री पशु पालन पत्रोंपाधि महाविद्यालय के विद्यार्थियों को जैविक कृषि के संबंध में प्रशिक्षण प्रदाय करने के निर्देश दिए। कृषि अवसंरचना निधि की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने जिले के किसानों को कुसुम बी घटक अंतर्गत सोलर पंप के व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ आवेदन प्रस्तुत करने हेतु जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होने नरवाई प्रबंधन हेतु किसानों को रबी फसलों की कटाई के बाद शेष अपशेष को मृदा में अपघटित करने हेतु उन्नत कृषि यन्त्र का उपयोग करने के लिए जागरुक करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में उप संचालक कृषि जे.एल. कास्दे, उप परियोजना संचालक अखिलेश पटेल, अनुविभागीय कृषि अधिकारी रचना पटेल, सहायक कृषि यंत्री प्रीति चौधरी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, विकासखंड तकनीकी प्रबंधक, सहायक तकनीकी प्रबंधक आत्मा हरदा, टिमरनी व खिरकिया आदि उपस्थित थे।

राज्य स्तरीय कराते प्रतियोगिता किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

अनोखा तीर, हरदा। मध्य प्रदेश कराते एसोसिएशन एवं कराते इंडिया के तत्वावधान में डेली कॉलेज इंदौर में 12 व 13 दिसंबर को राज्य स्तरीय कराते प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विज़न इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, हरदा के विद्यार्थियों ने सहभागिता करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कराते प्रतियोगिता के बालिका 11 वर्ष आयु वर्ग, 35 किलोग्राम वजन समूह में मेंदेशा, पिता डॉ. श्रीचंद जाट ने तृतीय स्थान प्राप्त कर ब्रॉन्ज मेडल जीता। इसी आयु वर्ग के 30 किलोग्राम वजन समूह में पीहू सेन, पिता निलेश सेन ने भी तृतीय स्थान हासिल कर ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया। 11 वर्ष आयु वर्ग, 30 किलोग्राम वजन समूह में ईशा, पिता सोहम सिंह राजपूत ने सराहनीय प्रदर्शन किया। वहीं 14 वर्ष आयु वर्ग, 42 किलोग्राम वजन समूह में कशिश, पिता हरिओम बिशनोई ने भी उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। बालक 14 वर्ष आयु वर्ग, 45 किलोग्राम वजन समूह में मानस सेन, पिता नीलेश सेन ने तृतीय स्थान प्राप्त कर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत, समर्पण एवं खेल के प्रति अनुशासन के बल पर यह उपलब्धि हासिल की। प्रतियोगिता के उपरांत स्कूल की खेल शिक्षिका एवं हरदा जिला महिला प्रशिक्षक रेणुका सेन ब्लैक बेल्ट, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी को मध्य प्रदेश कराते एसोसिएशन के अध्यक्ष, इंदौर जिला शिक्षा अधिकारी, इंदौर डेली कॉलेज के प्रिंसिपल, कराते इंडिया के डायरेक्टर एवं एमपीकेए के सचिव द्वारा सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर स्कूल के संस्थापक विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने, स्कूल संचालक कुणाल दोगने, प्राचार्य जॉन ए वर्गीस, मुकेश गुर्जर, खेल शिक्षक रेणुका सेन सहित समस्त स्कूल स्टाफ ने हर्ष व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

मांगों पर रार!

हक-अधिकारों पर प्रहार बर्दास्त नही करेंगे: पवारे

● एससी-एसटी संगठनों ने पत्रकारवार्ता में रखी बात

अनोखा तीर, हरदा। आगामा 21 दिसम्बर को करणी सेना द्वारा प्रस्तावित न्याय जनक्रांति आंदोलन से एक नया मोड़ आया है। करणी सेना की प्रमुख मांगों में शुमार कुछ बिन्दूओं पर एससी-एसटी संगठनों ने अपनी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। इस संबंध में सोमवार को एससी-एसटी संगठन, भीम आर्मी और जयस ने संयुक्त प्रेसवार्ता की। इस मौके पर जयस प्रमुख ने कहा कि करणी सेना आंदोलन के जरिये अनुसूचित जाति एवं जनजाति के अधिकारों का विरोध कर रहे हैं, जो सरासर अनुचित है। भीम आर्मी के महेन्द्र काशिव मेहरा ने कहा कि करणी सेना की मांगे एससी-एसटी वर्ग के अधिकारों को कमजोर करने का प्रयास है। एससी-एसटी एक्ट में तत्काल गिरफ्तारी का विरोध किया जा रहा है। जबकि एक्ट के माध्यम से ही वर्ग को न्याय मिलता है। एससी-एसटी संगठन के संभागीय पदाधिकारी राहुल पवारे ने कहा कि इस मामले में सारे संगठन एकजुट हैं। क्योंकि करणी सेना की मांगों में आरक्षण समाप्ति, पदोन्निति में आरक्षण को खत्म करने तथा रोस्टर प्रणाली से जुड़ा मुद्दा शामिल है, जो कि एससी-एसटी वर्ग के अधिकारों का हनन है। पत्रकारवार्ता में अन्य पदाधिकारियों ने भी अपनी बात रखी है।

स्व. राजकपूर की जन्म जयंती पर हुआ कार्यक्रम

● गायकों ने अपनी मधुर आवाज से बांधा समां

अनोखा तीर, हरदा। फ्रेंड्स ग्रुप हरदा के तत्वाधान में स्थानीय बगिया होटल में स्व राज कपूर की 101वीं जन्म जयंती के अवसर पर संगीतमय शाम का आयोजन किया गया। जिसमें खंडवा से पधारी गायिका रोशनी पहनवान समेत स्थानीय कलाकारों ने सुमधुर गीतों से समां बांध दिया। इससे पहले शहर के जाने-माने नेत्र चिकित्सक डॉ पराग नाईक ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर स्व राज कपूर एवं स्व धर्मेन्द्र देओल के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में गायक मुकेश विश्वकर्मा ने मधुर भजन की प्रस्तुति दी। तत्पश्चात रोशनी पहलवान, डॉ संजय शर्मा, प्रमोद दुबे, दीपक गौर, मिथुन कलौसिया, रितेश सैनी, संकेत श्रीवास्तव, जितेन्द्र रोडगे एवं मास्टर अविरल ने अपने शानदार गीतों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के अंत में जाने-माने भजन गायक विक्रांत अग्रवाल ने खंडवा से पधारी रोशनी पहलवान का शाल-श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। कार्यक्रम का सफल संचालन दीपक गौर एवं डॉ संजय शर्मा ने किया।

श्रीकृष्ण मेडिकल से बसस्टैंड तक आवागमन प्रतिबंधित

अनोखा तीर, हरदा/टिमरनी। अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग (सेतु निर्माण) उपसंभाग बैतूल के पत्र के परिपालन में टिमरनी एसडीएम ने रेलवे क्रासिंग क्रमांक 208 पर निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज तथा होशंगाबाद रोड पर पाइप कैंप, स्ट्रक्चर एवं सुपर स्ट्रक्चर के कार्य के चलते वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित की है। इसके पीछे दुर्घटनाओं की संभावना का जिक्र किया है। होशंगाबाद स्टेट हाइवे पर भारी वाहनों के लिए छिदगांव-उन्द्राकच्छ-टेमागांव एनएच 47, टिमरनी-हरदा एवं शेष वाहनों के लिए मैप में दर्शाए गए मार्ग को परिवर्तित करने की अनुमिति चाही है। इस संबंध में थाना टिमरनी ने ट्राफिक डायवर्ट पर अपनी सहमति दी है। इसके बाद छिदगांवमेल से आने वाले वाहन हीरो शोरूम से श्रीकृष्ण मेडिकल वाले के मकान से कुशवाह कालोनी नहर की सीमा से होते हुए मुख्य सड़क पर आएंगे। एसडीएम ने अपने आदेश में कहा कि ये प्रतिबंध आमजन के हितार्थ है। इसका उल्लंघन धारा 233 अंतर्गत अपराध की श्रेणी में आएगा। वहीं उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध दंडात्मक कार्रवाई की संकेत भी दिया है।

हिंदू समाज में समरसता और एकता सुदृढ़ करने होंगे विराट हिंदू सम्मेलन

अनोखा तीर, हरदा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में देशभर में विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य हिंदू समाज को एक सूत्र में पिरोना, राष्ट्रभक्ति भाव का जागरण करना और समाज की सज्जन शक्ति को सक्रिय कर सामाजिक परिवर्तन के पावन कार्य में लगाना है। इसी क्रम में हरदा जिले में व्यापक स्तर पर विराट हिंदू सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार जिले के 65 मंडलों, जिनमें 10 से 15 ग्राम शामिल हैं, तथा नगरीय केंद्र की 22 बस्तियों, जिनकी जनसंख्या 10 से 20 हजार के बीच है, में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इन सम्मेलनों में लगभग 4 लाख 50 हजार हिंदू समाज के लोगों के सम्मिलित होने की संभावना है। सम्मेलनों के माध्यम से हिंदू समाज में सामाजिक समरसता पर विशेष जोर दिया जाएगा तथा सभी मंदिरों को हिंदू समाज की शक्ति के केंद्र के रूप में स्थापित करने के प्रयास किए जाएंगे। हिंदू सम्मेलनों का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज को संगठित करना, सांस्कृतिक चेतना को सशक्त बनाना, पारिवारिक और सामाजिक मूल्यों को पुर्नस्थापित करना तथा समाज में आपसी समरसता और एकता के भाव को मजबूती प्रदान करना है। इसके साथ ही समाज में बढ़ती सामाजिक दूरी, पारिवारिक विघटन और सांस्कृतिक विस्मृति जैसे विषयों पर प्रबोधन कर समाज का जागरण करना भी इन सम्मेलनों का प्रमुख लक्ष्य है। आयोजनों में संतजन, महात्मा, मठ-मंदिरों के प्रमुख, प्रबुद्धजन एवं संघ के वरिष्ठ प्रचारक समाज को संबोधित करेंगे। हिंदू सम्मेलनों में काव्य पाठ, लोक नृत्य, भजन मंडलियां, भव्य कलश यात्राएं, विभिन्न महापुरुषों की झांकियां, श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन की यात्रा पर आधारित प्रदर्शनी, संघ एवं सेवा भारती द्वारा देशभर में किए जा रहे सेवा कार्यों की प्रदर्शनी, रक्तदान शिविर, हिंदू वांग्मय प्रदर्शनी तथा हिंदू अस्मिता से जुड़े प्रमुख आंदोलनों की प्रदर्शनी सहित अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। हिंदू सम्मेलनों के आयोजन को लेकर जिलेभर में भूमिपूजन एवं धर्म ध्वज स्थापना का कार्य किया जाएगा। इसके पश्चात प्रत्येक घर जाकर पीले चावलों के माध्यम से आमंत्रण दिया जाएगा। इस दिशा में व्यापक स्तर पर तैयारियां प्रारंभ हो चुकी हैं तथा विभिन्न प्रकार की आयोजन समितियों का गठन भी कर लिया गया है। यह सभी सम्मेलन सकल हिंदू समाज के सहयोग से आयोजित किए जाएंगे।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण समाधान हो : कलेक्टर

-खिरकिया में नलों में टोंटी नहीं लगाने वाले उपभोक्ताओं पर पेनाल्टी लगाई जाए

अनोखा तीर, हरदा। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों को समय सीमा में सतुष्टिपूर्ण समाधान करने के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होने कहा है कि इस सेवा में दर्ज शिकायतों का संबंधित अधिकारी बारीकी से अध्ययन करें एवं गंभीरता से निराकरण करें। सोमवार को आयोजित समयावधि अंकित पत्रों की समीक्षा बैठक में खिरकिया नगरीय क्षेत्र में पेयजल उपभोक्ताओं द्वारा घरेलू नल कनेक्शनों में टोंटी नहीं लगाने एवं पेयजल का दुरूपयोग करने संबंधी शिकायत मिलने पर कलेक्टर ने टोंटी नहीं लगाने वाले उपभोक्ताओं पर पेनाल्टी अधिरोपित करने के लिये वहां के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देश दिये। इस दौरान कलेक्टर ने जिले में संचालित रैनबसेराओं में गीजर लगाकर मुसाफिरों के लिये ठण्ड के मौसम में गर्म पानी उपलब्ध कराने की व्यवस्था करने हेतु भी संबंधित एसडीएम एवं नगर पालिका अधिकारियों को पाबंद किया। बैठक में शिक्षकों की ई-अटेंडेंस का प्रतिशत बढ़ाने के भी निर्देश दिए। इस दौरान वृंदावन ग्राम योजना, नर्मदा परिक्रमा पथ, मां की बगिया सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की साप्ताहिक समीक्षा की गई।

पटवारी सोमवार, गुरूवार को सार्थक एप पर ई-अटेण्डेंस लगाएंगे - बैठक में निर्देश दिए कि पटवारियों के संबंधित ग्राम पंचायत मुख्यालय पर बैठने के लिए नियत सोमवार एवं गुरूवार के दिन उनके द्वारा सार्थक एप पर ई-अटेंडेंस लगाई जाए। आवासीय मकानों का व्यावसायिक उपयोग किये जाने पर संबंधित से व्यावसायिक सम्पत्ति कर वसूला जाए। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिये कि शहरी क्षेत्र में आवासीय मकानों का व्यावसायिक उपयोग करने वालों से नगर पालिका द्वारा व्यावसायिक सम्पत्ति कर वसूला जाए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अंजली जोसेफ जोनाथन, अपर कलेक्टर पुरूषोत्तम कुमार, संयुक्त कलेक्टर सतीश राय व सुश्री रजनी वर्मा, सभी एसडीएम सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

हेल्प लाईन नंबर	
सीएम हेल्प लाईन	181
पुलिस	112
फायर बिग्रेड	101
एम्बुलेन्स	108
चाईल्ड हेल्प लाईन	1098
किसान कॉल सेंटर	18001801551
विद्युत शिकायत	18002331912
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112-100
अग्नि सेवा	101
एम्बुलेन्स सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाईल्ड लाईन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाईन	1076
क्राईम सटायर	1090
महिला सहायता	1091
पृथ्वी भूकंप	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान कॉल सेंटर	1098
नागरिक कॉल सेंटर	155300

संभागायुक्त ने एसआईआर सत्यापन कार्य का लिया जायजा

अनोखा तीर, हरदा। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी सोमवार को तहसील टिमरनी के ग्राम टेमागांव के ग्राम पंचायत कार्यालय में पहुंचे। यहां उन्होंने मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में संलग्न सभी बीएलओ से आमने-सामने चर्चा की और मेपिंग व सत्यापन कार्य के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान कमिश्नर श्री तिवारी ने एसडीएम टिमरनी संजीव नागू को निर्देश दिए कि सभी बीएलओ सत्यापन का कार्य पूर्ण करें। भ्रमण के दौरान संयुक्त आयुक्त विकास जी.सी. दोहर, एसडीएम टिमरनी संजीव नागू सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संपादकीय

धुरंधर से आखिर क्यों डर गये कुछ देश?

हिंदी फिल्म धुरंधर को लेकर जो बवंडर उठा है, वह सिर्फ एक फिल्म का विवाद नहीं है बल्कि यह उस बदलती दुनिया की कहानी है जहाँ भारत का पक्ष मज़बूती से उभर रहा है और कुछ देशों को यह हक़ीक़त पच नहीं रही है। सबसे पहले एक बात साफ है कि धुरंधर कोई फैंटेसी नहीं है, यह एक रील रूप है उस हकीकत का, जिसे भारत ने ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाई के जरिए दुनिया के समक्ष रखा है। यही वजह है कि पाकिस्तान और उसके समर्थकों के दिल में यह फिल्म काँटे की तरह चुभ रही है।

लेकिन असली सवाल पाकिस्तान से भी बड़ा है। भारत के दोस्त कहे जाने वाले खाड़ी देश आखिर पाकिस्तान की राय से इतने प्रभावित क्यों हैं कि उन्होंने फिल्म को सीधे-सीधे बैन कर दिया? यह वही खाड़ी देश हैं जिनके साथ भारत आज रणनीतिक साझेदारी, ऊर्जा सहयोग, व्यापार और सुरक्षा रिश्ते मजबूत कर चुका है। फिर सिर्फ इसलिए कि एक फिल्म पाकिस्तान के इस्लामवादी ढांचे को बेनकाब करती है, वह भारत के पक्ष की बजाय पाकिस्तान के दबाव में क्यों झुक गए? क्या दोस्ती इतनी कमजोर थी? या यह डर कहीं गहरा बैठा है कि भारत का मजबूत नैरेटिव मुसलमानों के नाम पर राजनीति चलाने वाले देशों को असुविधा में डाल देता है?

खाड़ी देशों की यह स्थिति एक और सच्चाई उजागर करती है कि भारत जब अपने मन की कहानी कहने लगता है, तो दुनिया के कई शक्ति-केन्द्र असहज होने लगते हैं। चूंकि यह कहानी अब किसी पश्चिमी देश ने नहीं, बल्कि भारत ने लिखी है और वह भी बेबाकी के साथ इसलिए इसे 'संवेदनशील', 'विवादास्पद' और 'राजनीतिक' कहकर दबाने की कोशिश हो रही है। देखा जाये तो हॉलीवुड की फिल्में जब नाज़ियों पर चलती थीं या आतंकियों पर बनती थीं, तब किसी को समस्या नहीं थी। Inglourious Basterds या Zero Dark Thirty पर किसी खाड़ी देश ने बैन नहीं लगाया। लेकिन जैसे ही भारत उसी भाषा में अपना सच बोलता है तो कुछ देशों को मानो बुखार चढ़ जाता है।

असल बात यह है कि अगर रील में दिखाई गई भारत की शक्ति से ही इतनी घबराहट है, तो असली भारत का सामना करने का साहस कहाँ से आएगा? आज का भारत वह नहीं रहा जिसे डराया जा सके या जिसकी आवाज़ रोकी जा सके। यह नया भारत अपने सैनिक अभियान भी दिखाता है, आतंकवाद के खिलाफ अपनी नीति भी स्पष्ट रखता है और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर किसी के

लिहाज में झुकता नहीं। खाड़ी देशों को यह समझ लेना चाहिए कि इस भारत के साथ खड़ा होना फायदे का सौदा है और पाकिस्तान जैसे असफल, कट्टरतावादी ढाँचे को खुश करने के लिए भारत से दूरी बनाना भविष्य में उन्हें और महंगा पड़ेगा।

फिल्म धुरंधर को लेकर जो हंगामा हो रहा है, वह यह साबित करता है कि पाकिस्तान का नैरेटिव अब कमजोर हो रहा है और भारत का नैरेटिव ताकत पकड़ रहा है। वह देश जो पाकिस्तान के पारंपरिक प्रभाव में थे, वह इस बदलाव को देखकर घबराए हुए हैं। लेकिन घबराहट से ज्यादा यह उनकी कमजोरी दिखाती है क्योंकि सच्चाई से डरने वाले ही आवाज़ों को दबाते हैं।

दूसरी ओर, भारत को इस बहिष्कार से विचलित होने की जरूरत नहीं है। बल्कि यह तो संकेत है कि भारत की सांस्कृतिक और रणनीतिक ताकत सीधे सही जगह चोट कर रही है। अगर सिर्फ एक फिल्म से इतनी बेचैनी है, तो भारत के वास्तविक संकल्प और शक्ति का असर कितना गहरा होगा, यह दुनिया अच्छी तरह समझ चुकी है। इसलिए, पाकिस्तान और उसके प्रभाव में चलने वाले देशों को एक सलाह है कि डरते रहिए। क्योंकि नए भारत की राह में अब न आपका नैरेटिव चलेगा, न आपकी शर्तें। अब भारत अपनी कहानी खुद लिखता है और पूरी दुनिया उसे सुनने को मजबूर है।

दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में स्थान

दीपावली केवल भारत तक सीमित त्योहार नहीं, बल्कि विश्व पटल पर अपनी सांस्कृतिक पहचान दर्ज करा चुकी परंपरा है। बुधवार को यूनेस्को ने दीपावली को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल कर दिया। मौजूद जानकारी के अनुसार यह निर्णय दिल्ली के लाल क़िले में आयोजित इंटरगवर्नमेंटल कमेटी की बैठक के दौरान लिया गया, जहाँ भारत इस सत्र की मेज़बानी कर रहा है। बता दें कि दीपावली हिंदू परंपरा का सबसे व्यापक और भावनात्मक त्योहार माना जाता है, जिसका उत्सव भारत ही नहीं बल्कि विश्व के कई

हिस्सों में बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीय समुदाय द्वारा भी मनाया जाता रहा है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि दीपावली भारतीय सभ्यता की आत्मा और हमारी सांस्कृतिक आस्थाओं का केंद्र रही है। उनका कहना था कि इस मान्यता से त्योहार की वैश्विक पहुँच और लोकप्रियता में और वृद्धि होगी। इसी क्रम में केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि दीपावली केवल उत्सव नहीं बल्कि सदियों से जीवित परंपरा, भावनाओं और सांस्कृतिक मूल्यों का प्रतीक रही है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि यह सम्मान महज़ उपलब्धि नहीं बल्कि ज़िम्मेदारी भी है कि इस त्योहार की मूल भावना और परंपरा को संरक्षित रूप में अगली पीढ़ियों तक पहुँचाया जाए। मौजूद जानकारी बताती है कि इस वर्ष यूनेस्को की 20वीं बैठक 8 से 13 दिसंबर तक आयोजित हो रही है और 2025 के सत्र की अध्यक्षता भारत के स्थायी प्रतिनिधि विशाल वी. शर्मा द्वारा की जाएगी। दीपावली के साथ-साथ कई अन्य देशों की सांस्कृतिक परंपराएँ भी इस वैश्विक विरासत सूची में शामिल की गई हैं, जिनमें मिस्र का कोशरी, आइसलैंड का स्विमिंग पूल कल्चर, घाना का हाईलाइफ़ संगीत, जॉर्जिया की गेहूं संस्कृति और कांगो, इथियोपिया व साइप्रस की पारंपरिक लोक विधाएँ शामिल हैं। यह सूची इस बात का प्रमाण है कि विभिन्न समाजों की सांस्कृतिक परंपराएँ आज भी जीवन, स्मृति और लोकधारा की निरंतरता को जीवित रखे हुए हैं। दीपावली के इस ऐतिहासिक सम्मान के साथ भारत ने न केवल सांस्कृतिक धरोहर की अंतरराष्ट्रीय मान्यता को मजबूत किया है, बल्कि विश्व समुदाय के सामने भी अपनी आध्यात्मिक और सभ्यतागत विरासत का प्रभाव पुनः स्थापित किया है, जो सहअस्तित्व, प्रकाश, सदाचार और मानविकता के सार्वभौमिक संदेश को आगे बढ़ाती रही है।

'नबीन' भाजपा: सत्ता से आगे संगठन की राजनीति

-पवन वर्मा

भारतीय राजनीति में नेतृत्व परिवर्तन अक्सर सत्ता-समीकरण, जातीय संतुलन या वंशानुगत दावों के इर्द-गिर्द घूमता रहा है। ऐसे दौर में भारतीय जनता पार्टी द्वारा मात्र 45 वर्ष की उम्र में नितिन नबीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में आगे बढ़ाना एक बड़ा और दूरगामी राजनीतिक संकेत है। यह फैसला केवल एक पद की घोषणा नहीं, बल्कि उस संगठनात्मक राजनीति की पुष्टि है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लगातार आकार देते रहे हैं। यह निर्णय बताता है कि भाजपा की राजनीति केवल वर्तमान चुनावी लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि वह भविष्य की नेतृत्व पीढ़ी को गढ़ने पर केंद्रित है। यही कारण है कि राजनीतिक हलकों में यह चर्चा तेज है कि यह सिर्फ भाजपा में ही संभव है।

शोर नहीं, संगठन से बनी पहचान

नितिन नबीन की राजनीतिक पहचान किसी आक्रामक बयान, टीवी डिबेट या सोशल मीडिया के शोर से नहीं बनी। उनकी पहचान संगठन के भीतर निरंतर, शांत और अनुशासित काम से बनी है। बिहार जैसे राजनीतिक रूप से संवेदनशील और जटिल राज्य में तीन बार मंत्री रहने के बावजूद उनका नाम किसी बड़े विवाद से नहीं जुड़ा, यह अपने आप में असाधारण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर नितिन नबीन को लेकर जो लिखा, उससे यह स्पष्ट होता है कि शीर्ष नेतृत्व ऐसे नेताओं को आगे बढ़ाना चाहता है, जिनकी राजनीति दिखावे से दूर और जमीन से जुड़ी हो। 26 वर्ष की उम्र में विधायक बनना बड़ी उपलब्धि थी, लेकिन उससे भी अहम यह रहा कि नितिन नबीन ने कभी सत्ता को अपनी राजनीति का केंद्र नहीं बनने दिया। मोदी-शाह की जोड़ी को आमतौर पर चुनावी रणनीति, निर्णायक नेतृत्व और चौंकाने वाले निर्णयों के लिए जाना जाता है, नितिन नबीन के चयन में भी ऐसा ही दिखाई देता है। नितिन को अध्यक्ष बनाना बताता है कि यह जोड़ी केवल जीत की राजनीति नहीं करती, बल्कि संगठन की दीर्घकालिक मजबूती को लेकर भी उतनी ही गंभीर है। यह भाजपा की उस रणनीति को दर्शाता है, जिसमें 'स्टार पॉलिटिक्स' के बजाय 'संगठन पॉलिटिक्स' को प्राथमिकता दी जा रही है। नितिन नबीन न तो टीवी के स्थायी चेहरा हैं, न ही सोशल मीडिया पर आक्रामक उपस्थिति वाले नेता लेकिन वे पार्टी के भीतर भरोसेमंद संगठक के रूप में पहचाने जाते हैं और यही गुण मोदी और शाह की भाजपा में सबसे ज्यादा मूल्यवान है।

संघ संस्कार और राजनीतिक अनुशासन- नितिन नबीन की राजनीति को समझने के लिए उनकी पृष्ठभूमि को जानना बहुत महत्वपूर्ण है। उनके पिता स्वर्गीय नवीन किशोर सिन्हा बिहार में संघ पृष्ठभूमि के वरिष्ठ भाजपा नेताओं में गिने जाते थे। यही कारण है कि नितिन नबीन की कार्यशैली में अनुशासन, संयम और संगठन के प्रति निष्ठा साफ दिखाई देती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को केवल वैचारिक संस्था के रूप में देखना उसकी भूमिका को कम करके आंकना होगा। संघ भाजपा के लिए नेतृत्व निर्माण की आधारशिला है। यहां कार्यकर्ता सत्ता के लिए नहीं, बल्कि संगठन और समाज के लिए तैयार किए जाते हैं। अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर नरेंद्र मोदी और अमित शाह तक यही परंपरा दिखाई देती है, और नितिन नबीन उसी श्रृंखला की अगली कड़ी हैं।

युवा मोर्चा से राष्ट्रीय राजनीति तक

नितिन नबीन का संगठनात्मक सफर विशेष रूप से भारतीय जनता युवा मोर्चा से मजबूती से जुड़ा रहा है। जब अनुराग ठाकुर युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे, उसी दौर में नितिन नबीन को उनकी टीम में राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया था। यह वह समय था, जब भाजपा युवा नेतृत्व को राष्ट्रीय स्तर पर तैयार करने की रणनीति पर काम कर रही थी। उसी कार्यकारिणी में नितिन नबीन के साथ मध्यप्रदेश में भाजपा के महामंत्री राहुल कोठारी भी युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री थे। यह संयोग नहीं, बल्कि भाजपा की उस सोच का प्रमाण था, जिसमें अलग-अलग राज्यों से संगठनात्मक रूप से सक्षम युवाओं को एक साथ राष्ट्रीय जिम्मेदारी दी गई। युवा मोर्चा में किया गया यही काम आगे चलकर नितिन नबीन की राष्ट्रीय राजनीति की नींव बना।

बिहार से बाहर, राष्ट्रीय स्तर पर भूमिका- वर्ष 2006 से 2025 के बीच नितिन नबीन ने बिहार के साथ-साथ दिल्ली, सिक्किम और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में संगठनात्मक जिम्मेदारियां निभाईं। यह अनुभव उन्हें केवल एक क्षेत्रीय नेता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दृष्टि वाला संगठक बनाता है। 2008 में युवा मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यसमिति से लेकर 2010 में राष्ट्रीय महामंत्री, फिर 2016 में बिहार युवा मोर्चा के अध्यक्ष और उसके बाद विभिन्न राज्यों में चुनावी व संगठनात्मक जिम्मेदारियां, हर स्तर पर उन्होंने अलग तरह से काम करके नेतृत्व का भरोसा जीता। 2019 में सिक्किम विधानसभा और लोकसभा चुनाव, तथा छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में संगठन और सरकार के बीच समन्वय की भूमिका ने यह साबित किया कि वे केवल संगठन के नेता नहीं, बल्कि संतुलन साधने वाले राजनीतिक प्रबंधक भी हैं।

भाजपा बनाम शेष राजनीति

नितिन नबीन का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना भारतीय राजनीति की दो धाराओं को स्पष्ट करता है। एक ओर वे दल हैं, जहां नेतृत्व परिवार, जाति या तात्कालिक लोकप्रियता से तय होता है। दूसरी ओर भाजपा है, जहां संगठनात्मक योग्यता, वैचारिक निष्ठा और अनुशासन को प्राथमिकता दी जाती है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, हरियाणा के नायब सिंह सैनी, राजस्थान के भजनलाल शर्मा और छत्तीसगढ़ के विष्णु देव साय जैसे नाम इस बात के प्रमाण हैं कि भाजपा ने हाल के वर्षों में अपेक्षाकृत कम चर्चित लेकिन संगठन में तपे नेताओं को आगे बढ़ाया है। नितिन नबीन उसी क्रम की अगली कड़ी हैं।

अनुभवी और युवा नेतृत्व

45 वर्ष की उम्र में नितिन नबीन को आगे बढ़ाना यह संदेश देता है कि भाजपा में युवा नेतृत्व का अर्थ अनुभवहीनता नहीं होता। पार्टी ऐसे नेताओं को तरजीह दे रही है, जिन्होंने संगठन में समय दिया हो, जिम्मेदारियां निभाई हों और सत्ता को लक्ष्य नहीं, साधन माना हो। यह फैसला भाजपा की उस दीर्घकालिक रणनीति की झलक है, जिसमें आने वाले 20-25 वर्षों की राजनीति के लिए शांत, अनुशासित और वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध नेतृत्व तैयार किया जा रहा है। मोदी शाह की 'नबीन' भाजपा दरअसल उस राजनीति को मजबूत कर रही है, जहां सत्ता प्रदर्शन नहीं, संगठन साधना है, जहां पद पुरस्कार नहीं, जिम्मेदारी है, और जहां राजनीति का उद्देश्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि कार्यकर्ता और राष्ट्र निर्माण है। इसी वजह से नितिन नबीन का उभार केवल एक राजनीतिक खबर नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति के बदलते चरित्र की स्पष्ट तस्वीर है।

आज का कार्टून

कमानेवाली पत्नी को पति से गुजारा भत्ता का अधिकार नहीं: हाईकोर्ट

पौष्टिक भोजन अब भी सपना, 42% लोग खरीद नहीं पाते

मनीष जैसल

दुनिया आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां आर्थिक तरक्की और तकनीक की चमक के बीच भोजन जैसी बुनियादी जरूरत इंसान की पहुंच से दूर होती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र की नवीनतम रपट बताती है कि दुनिया की बयालीस फीसद आबादी पौष्टिक भोजन पर खर्च नहीं कर पाती। यह केवल गरीबी का आंकड़ा नहीं, बल्कि वैश्विक नीतियों, बाजार व्यवस्थाओं और आर्थिक असमानताओं का ऐसा आईना है, जिसमें हमारी सामूहिक विफलता दिखती है। जब भोजन जैसे मानव अधिकार को भी बाजार के हवाले कर दिया जाए, तो समाज कमजोर होता है, चाहे वह कितना ही विकसित क्यों न दिखे। भारत का विकास ढांचा मजबूत दिख सकता है, पर उसकी बुनियाद में पोषण का अभाव साफ महसूस होता है। वैश्विक स्तर पर देखें तो अफ्रीका, दक्षिण एशिया और लैटिन अमेरिका के कई देश पौष्टिक भोजन के संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। सहारा के दक्षिण वाले अफ्रीकी क्षेत्र में तो हालात इतने खराब हैं कि 60 से 80 फीसद आबादी पौष्टिक भोजन का खर्च ही नहीं उठा सकती। वहीं यूरोप, आस्ट्रेलिया और उत्तर अमेरिका जैसे क्षेत्रों में भोजन की पहुंच बेहतर है, पर वहां असंतुलित आहार, प्रसंस्कृत खाद्य और मोटापे जैसी समस्याएं स्वास्थ्य प्रणालियों के लिए नई चुनौतियां पैदा कर रही हैं। भारत में भोजन और पोषण का संकट दो ध्रुवों में बंटा दिखता है। ग्रामीण भारत में अब भी कुपोषण, रक्ताल्पता, कम वजन जैसे मामलों का उच्च स्तर पाया जाता है। बच्चों और महिलाओं की पोषण स्थिति विशेष चिंता का विषय है।

दूसरी ओर शहरी भारत में खाने की उपलब्धता तो है, पर उसकी गुणवत्ता की समस्या है। समय की कमी, काम का तनाव, और तेज बाजार-चालित संस्कृति ने डिब्बाबंद खाद्य, जंक फूड और मीठे पेयों को रोजमर्रा के भोजन का हिस्सा बना दिया है। एक तरफ कुपोषण और दूसरी ओर अतिपोषण, दोनों मिलकर स्वास्थ्य संकट को और जटिल बनाते हैं।

खाद्य महंगाई ने भारतीय रसोई को जिस तरह प्रभावित किया है, वह चिंता का विषय है। दालें, खाद्य तेल, फल, सब्जियां और दूध जैसी आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी ने संतुलित भोजन की लागत बहुत बढ़ा दी है। एक औसत भारतीय परिवार की मासिक आमदनी का बड़ा हिस्सा केवल कैलोरी-आधारित भोजन पूरा करने में ही खर्च हो जाता है, जबकि पौष्टिक भोजन की थाली उनकी पहुंच से दूर चली जाती है। यह स्थिति बताती है कि भोजन केवल बाजार व्यवस्था का विषय नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे एक सामाजिक सुरक्षा अधिकार के रूप में देखा जाना चाहिए।

भारत की कृषि अब भी मानसून पर अत्यधिक निर्भर है। मगर असामान्य बारिश, सूखा, बाढ़ और तापमान में बदलाव ने फसल उत्पादकता को प्रभावित किया है, जिससे बाजार में दाम बढ़ते हैं। समस्या नीतिगत प्राथमिकताओं की है। भारतीय खाद्य सुरक्षा प्रणाली अभी भी मुख्य रूप से अनाज-आधारित है, गेहूं और चावल पर केंद्रित है। जबकि शरीर को विविध पोषक तत्त्वों की भी आवश्यकता होती है।

भारत में फल, सब्जियां, दालें, अंडे और डेयरी जैसे घटक बड़े पैमाने पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली या सरकारी पोषण कार्यक्रमों का हिस्सा नहीं बन पाए हैं। इसी वजह से मध्याह्न भोजन की तरह अन्य योजनाएं भोजन तो देती हैं, पर पूर्ण पोषण सुनिश्चित नहीं कर पातीं। दुनिया के कई देशों ने भोजन को राष्ट्रीय विकास की धुरी बनाकर उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। ब्राजील का 'शून्य भुखमरी' अभियान इसका उदाहरण है, जिसने स्थानीय कृषि, सबसिडी और पोषण कार्यक्रमों के माध्यम से लाखों लोगों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया।

जापान ने 'शोकू इकु' नीति के तहत बच्चों को भोजन विज्ञान की शिक्षा दी। एक ऐसा ढांचा, जो स्पष्ट करता है कि भोजन केवल खाने की वस्तु नहीं, बल्कि संस्कृति, समझ और स्वास्थ्य का आधार है। दक्षिण कोरिया ने प्रसंस्कृत खाद्य पर सख्त नियंत्रण लागू किए, जिससे जीवनशैली संबंधी बीमारियों में गिरावट आई। भारत इनसे सीख लेकर अपने कार्यक्रमों को अधिक वैज्ञानिक और आधुनिक बना सकता है।

भ्रष्टाचार : बाहरी नहीं, मनुष्य के भीतर जन्म लेने वाला अंधकार

भ्रष्टाचार चेतना का रोग, निवारण अंतर्मन की शुद्धता, कर्तव्यबोध, और आत्मा का जागरण

> यहाँ कानून व्यक्ति से ऊपर होता है। सत्ता में बैठे लोग भी नियमों के अधीन होते हैं और गलती होने पर उनके खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित होती है। स्वतंत्र न्यायपालिका और निष्पक्ष जांच एजेंसियां शासन को मनमाना होने से रोकती हैं। दूसरा महत्वपूर्ण कारण है पारदर्शी प्रशासन। अधिकांश कम भ्रष्ट देशों में सरकारी निर्णय, बजट, निविदाएं और नीतियां सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होती हैं। डिजिटल शासन ने आम नागरिक और सरकार के बीच सीधा संवाद स्थापित किया है, जिससे दलालों और भ्रष्ट नेटवर्क की गुंजाइश कम हो गई है। एस्टोनिया जैसे देशों में लगभग पूरा प्रशासन ऑनलाइन है, जिससे भ्रष्टाचार की संभावनाएं न्यूनतम हो जाती हैं। जवाबदेही की संस्कृति इन देशों की आत्मा है। वहां जनता केवल वोट डालकर चुप नहीं बैठती, बल्कि सरकार के हर फैसले पर निगरानी रखती है।

सुशील कुमार जैन

भ्रष्टाचार केवल आर्थिक समस्या नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र, शासन-प्रशासन और सामाजिक विश्वास को भीतर से खोखला कर देता है। दुनिया के वे देश जहाँ शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही उच्च मानी जाती है—जैसे डेनमार्क, फिनलैंड, सिंगापुर, न्यूज़ीलैंड, नॉर्वे, स्विट्ज़रलैंड, स्वीडन, नीदरलैंड, लक्समबर्ग, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, कनाडा, आइसलैंड, आयरलैंड, जापान, एस्टोनिया, ऑस्ट्रिया और बेल्जियम—इस बात का प्रमाण हैं कि ईमानदार शासन कोई कल्पना नहीं, बल्कि व्यावहारिक वास्तविकता हो सकता है। इन देशों की सबसे बड़ी विशेषता है संस्थागत मजबूती। यहाँ कानून व्यक्ति से ऊपर होता है। सत्ता में बैठे लोग भी नियमों के अधीन होते हैं और गलती होने पर उनके खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित होती है। स्वतंत्र न्यायपालिका और निष्पक्ष जांच एजेंसियां शासन को मनमाना होने से रोकती हैं। दूसरा महत्वपूर्ण कारण है पारदर्शी प्रशासन। अधिकांश कम भ्रष्ट देशों में सरकारी निर्णय, बजट, निविदाएं और नीतियां सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होती हैं। डिजिटल शासन ने आम नागरिक और सरकार के बीच सीधा संवाद स्थापित किया है, जिससे दलालों और भ्रष्ट

नेटवर्क की गुंजाइश कम हो गई है। एस्टोनिया जैसे देशों में लगभग पूरा प्रशासन ऑनलाइन है, जिससे भ्रष्टाचार की संभावनाएं न्यूनतम हो जाती हैं। जवाबदेही की संस्कृति इन देशों की आत्मा है। वहां जनता केवल वोट डालकर चुप नहीं बैठती, बल्कि सरकार के हर फैसले पर निगरानी रखती है। मीडिया स्वतंत्र है, सशक्त है और सत्ता से सवाल पूछने का साहस रखता है। व्हिसल-ब्लोअर संरक्षण कानून ईमानदार अधिकारियों और नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करते हैं। इसके विपरीत, भारत जैसे विकासशील लोकतंत्र में भ्रष्टाचार अब भी एक गंभीर चुनौती बना हुआ है। योजनाएं अच्छी हैं, कानून भी हैं, लेकिन उनके क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी दिखाई देती है। यहां समस्या केवल व्यवस्था की नहीं, बल्कि मानसिकता की भी है—जहां भ्रष्टाचार को कई बार व्यवस्था का हिस्सा मान लिया जाता है। अविद्या भ्रष्टाचार की जड़ है, क्योंकि यहां भगवद्गीता कहती है—अविद्या ही सभी क्लेशों का मूल कारण है। जब मनुष्य सही-गलत का भेद खो देता है, कर्मों के परिणाम नहीं समझता, कर्तव्य से विमुख हो जाता है—तभी भ्रष्टाचार जन्म लेता है। योग और ध्यान चेतना को उच्चतर स्तर पर ले जाते हैं, जहां व्यक्ति स्वार्थ नहीं, बल्कि समाज और मानवता का हित देखने लगता है। भ्रष्टाचार आर्थिक अपराध नहीं, चेतना का रोग है। शरीर की बीमारी केवल बाहरी दवा से नहीं मिटती; उसके लिए शरीर की प्रतिरोधक क्षमता भी आवश्यक है। इसी प्रकार भ्रष्टाचार केवल कठोर कानूनों से नहीं मिटता। इसके लिए ज़रूरी है—अंतर्मन की शुद्धता, कर्तव्यबोध, और आत्मा का जागरण। धर्मों का साझा संदेश है सत्य सर्वोपरि, हिंदू, जैन, बौद्ध, सिख, ईसाई और इस्लाम—हर धर्म सत्य को सर्वोच्च मूल्य मानता है। कोई भी धर्म भ्रष्टाचार को स्वीकार नहीं करता। इसलिए भ्रष्टाचार केवल कानून-विहीनता नहीं; यह धर्म-विहीनता का संकेत है। संस्कारों की नींव घर और समाज होता है, बच्चा वही सीखता है जो वह देखता है। यदि घर में झूठ सामान्य बन जाए और दुराचार को चालाकी कहा जाए, तो भविष्य में ईमानदारी की अपेक्षा करना व्यर्थ है। पर यदि सत्य को सम्मान मिले, ईमानदार को प्रतिष्ठा मिले, और नैतिकता को महत्व दिया जाए—तो भ्रष्टाचार की बीमारी समाज में जन्म ही नहीं पाती। समाधान भी स्पष्ट है। भारत को कम भ्रष्ट देशों से सीख लेकर संस्थाओं को राजनीतिक दबाव से मुक्त, प्रशासन को अधिक डिजिटल व पारदर्शी, और नागरिकों को सशक्त भागीदार बनाना होगा। शिक्षा प्रणाली में नैतिक मूल्यों और नागरिक कर्तव्यों को मजबूत करना भी उतना ही आवश्यक है। अंततः, भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई केवल सरकार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। जब ईमानदारी सामाजिक मूल्य बन जाएगी और जवाबदेही सत्ता का अनिवार्य नियम, तब भारत भी उन देशों की श्रेणी में खड़ा हो सकेगा जहां शासन जनता के भरोसे पर टिका होता है, भय या लालच पर नहीं।

सार-समाचार

पार्श्वनाथ व चंद्रप्रभु के जन्म-तप कल्याणक पर शांतिधारा आयोजन

अनोखा तीर, खंडवा। सराफा स्थित अति प्राचीन पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में सोमवार को पौष वदी एकादशी के अवसर पर मूलनायक चिंतामणि पार्श्वनाथ भगवान एवं अष्टम तीर्थंकर चंद्रप्रभु भगवान का जन्म एवं तप कल्याणक महामहोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। प्रात: 7 बजे से आयोजित कार्यक्रम में अभिषेक एवं

वृहद शांतिधारा संपन्न हुई। समाज के सचिव सुनील जैन ने बताया कि आचार्य विभव सागर महाराज के ससंघ सानिध्य में मूलनायक पार्श्वनाथ भगवान तथा जलवट में विराजमान चंद्रप्रभु भगवान के मस्तक पर शांतिधारा की गई। मीडिया प्रभारी प्रेमांशु चौधरी ने जानकारी दी कि पार्श्वनाथ भगवान पर शांतिधारा का सौभाग्य सुशीला अनिल लुहाड़िया, तरुण लुहाड़िया व नीलू लुहाड़िया को तथा चंद्रप्रभु भगवान पर शांतिधारा का सौभाग्य पदमा दीपक सेठी परिवार को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर वीरेंद्र भटयांण, कैलाश पहाड़िया, सुनील जैन, प्रेमांशु चौधरी, राहुल जैन, प्रेमांशु जैन अधिवक्ता, अजय जैन, अविनाश जैन, पंकज जैन, चौथमल जैन, पंडित निखिलेश जैन सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

जलकर व संपत्ति कर की वसूली बढ़ाने के निर्देश

अनोखा तीर, खंडवा। ग्राम पंचायतों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से ग्रामीणों से जलकर एवं संपत्ति कर की राशि नियमित रूप से जमा कराई जाए, ताकि इस आय से गांवों में विकास कार्य कराए जा सकें। यह निर्देश कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ नागार्जुन बी गौड़ा, अपर कलेक्टर सृष्टि देशमुख गौड़ा, अरविंद चौहान, केआर बड़ोले सहित जिला अधिकारी, एसडीएम, जनपद पंचायतों के

सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश देते हुए कहा कि आगामी एक सप्ताह में विशेष ध्यान देकर विभागीय रैंक व ग्रेड में सुधार किया जाए। स्कूल शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, राजस्व, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं लोक निर्माण विभाग को इस दिशा में विशेष प्रयास करने को कहा गया। उन्होंने पेंशन एवं अनुकंपा नियुक्ति से जुड़े लंबित प्रकरणों का भी त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही ओंकारेश्वर में सिंगल यूज प्लास्टिक व पॉलिथीन पर सख्ती से प्रतिबंध लगाने तथा ऑटो रिक्शा किराया निर्धारण कर उसकी सूची ऑटो पर और सार्वजनिक स्थलों पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जल जीवन मिशन अंतर्गत स्थापित पेयजल योजनाओं के जल स्त्रोतों के आसपास जल पुनर्भरण संरचनाएं बनाने के निर्देश भी दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ ने बताया कि वर्षा उपरांत ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के लिए अब तक 5 हजार से अधिक बोरी बंधान संरचनाएं बनाई जा चुकी हैं।

गोंड जननायकों के इतिहास पर केंद्रित तीन दिवसीय नृत्य-नाट्य समारोह अब बैरसिया भैरुंदा में

अनोखा तीर, भैरुंदा। गोंड जनजातीय समुदाय के गौरवशाली चरित्र और ऐतिहासिक नायकों को समर्पित जननायक गोंड इतिहास की नृत्य-नाट्य प्रस्तुतियां समारोह अब भैरुंदा में आयोजित किया जाएगा। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम 16 से 18 दिसंबर तक चलेगा। यह आयोजन जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद के निर्देशानुसार किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य प्राचीन गोंड शासकों के गढ़ी में से एक गिन्नौरगढ़ से जुड़ी प्राचीन गोंड शासकों और जननायकों के इतिहास को नृत्य-नाट्य के माध्यम से प्रदर्शित करना है। हालांकि, अपरिहार्य कारणों से समारोह का मूल स्थान गिन्नौरगढ़ से बदलकर अब भैरुंदा मुख्यालय स्थित दशहरा मैदान कर दिया गया है। अकादमी की और से इस कार्यक्रम के लिए कलाकारों को आमंत्रित करने के साथ ही अस्थाई मंच, प्रकाश, ध्वनि, बैठने की व्यवस्था (बैठक-बिछायत) और प्रचार सामग्री के मुद्रण एवं संयोजन की व्यवस्थाएं की जा रही हैं। स्थानीय प्रशासन से सहयोग सुनिश्चित करने के लिए, जिला प्रशासन ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर परिषद भैरुंदा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। नोडल अधिकारी समारोह स्थल के आरक्षण, साफ-सफाई, पेयजल, सुरक्षा व्यवस्था, और प्रचार-प्रसार में सहयोग करेंगे। इसके अलावा, प्रतिदिवस 35 कलाकारों के आवास की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया गया है। नोडल अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि वह 16 से 18 दिसंबर के दौरान कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करें।

सांदीपनि विद्यालय में बाल संसद का ऐतिहासिक सत्र, छात्रों को सौंपी अनुशासन की कमान

अनोखा तीर, भैरुंदा। भविष्य के जिम्मेदार नागरिकों ने सोमवार को सांदीपनि विद्यालय भैरूंदा में एक महत्वपूर्ण बाल कैबिनेट बैठक का सफल आयोजन किया। प्रभारी शिक्षक बलवान सिंह सोलंकी के प्रभावी मार्गदर्शन में हुई इस सत्र की अध्यक्षता छात्र परिषद अध्यक्ष रोशन यादव ने की जिसमें विद्यालय के सभी कक्षा प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस बाल संसद का मुख्य उद्देश्य विद्यालय में अनुशासन, स्वच्छता और विद्यार्थियों की

नियमितता को सुनिश्चित करना था और इस दिशा में कई कठोर तथा दूरगामी निर्णय लिए गए। सर्वसम्मति से यह तय किया गया कि विद्यालय के सभी विद्यार्थी निर्धारित समय पर प्रार्थना सभा में उपस्थित हों और कड़ाई से साफ-सुथरी एवं पूरी यूनिफॉर्म, वैध आई-कार्ड और ब्लैक शूज पहनकर ही विद्यालय आएं। इसके साथ ही विद्यार्थियों ने मध्याह्न भोजन के समय स्वच्छता और शालीन व्यवहार बनाए रखने का विशेष संकल्प लिया। शैक्षणिक माहौल को बेहतर बनाने पर जोर देते हुए, यह भी निर्णय लिया गया कि कक्षा प्रतिनिधि अपनी कक्षा से अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थियों की विस्तृत जानकारी तत्काल शिक्षकों को उपलब्ध कराएंगे और जरूरत पड़ने पर अपने सहपाठियों को पढ़ाई में सक्रिय सहयोग प्रदान करेंगे। इस पहल से न केवल विद्यालय का माहौल सुधरेगा, बल्कि छात्रों के बीच आपसी सहयोग और शैक्षिक गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार आएगा।

महाविद्यालय में एंटी-रैगिंग जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अनोखा तीर, भैरुंदा। राय साहब भंवर सिंह महाविद्यालय में विगत दिवस एंटी-रैगिंग समिति के तत्वावधान में विद्यार्थियों को रैगिंग के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने हेतु एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को रैगिंग संबंधी जागरूकता मूवी दिखाई गई। मूवी के माध्यम से रैगिंग से होने वाले मानसिक, शारीरिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों के साथ-साथ इससे जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। फिल्म में यह स्पष्ट किया गया कि रैगिंग एक गंभीर अपराध है।

नागरिकों के साथ अब अंधे-बहरे विभागों की आंखे खोलेगी विकास संघर्ष समिति

● अपनी जायज मांग को लेकर आम जनता के साथ समिति करेगी उग्र विरोध प्रदर्शन

● **सनावद के इंदौर इच्छापुर हाइवे स्थित पुनासा टर्न पर प्रतिदिन जाम से परेशान राहगीर**

अनोखा तीर, बड़वाह। समीपस्थ सनावद नगर से पुनासा मार्ग जाने वाले मार्ग स्थित रेलवे फाटक पर प्रतिदिन ट्रैफिक जाम हो रहा है। यह जाम दिन में कई बार लगा देखा जा सकता है। इस समस्या के निराकरण को लेकर अभी तक कोई भी विभाग ने इस ओर पहल नहीं की। न तो रेलवे फाटक का चौड़ीकरण हुआ और न ही रेलवे ओवर ब्रिज के काम में तेज़ी आई, न अंडर पास कार्य शुरू हुआ है। सनावद विकास संघर्ष समिति सदस्य ज़ाकिर हुसैन अमी ने बताया कि अभी तो ट्रेन के दो ही फेरे लग रहे हैं, यदि यह फेरे बढ़ें तो जाम की समस्या विकराल रूप धारण करेगी। ऐसा इसलिए क्योंकि हाईवे मार्ग पर विगत कुछ वर्षों की अपेक्षा यातायात कई गुना बढ़ चुका है।

नर्मदा स्थित पुल शुरू होने से मिलेगी राहत

श्री अमी का कहना है कि इस बढ़ते यातायात के बावजूद नर्मदा स्थित नए पुल को समयावधि में कंप्लीट नहीं किया गया है। उनका मानना है कि यदि नर्मदा नदी पर बनने वाला नवीन मोटर पुल जल्द पूर्ण हो, तो भारी वाहनों का आधा लोड इस मार्ग पर कम होगा। हालांकि विकास संघर्ष समिति के वरिष्ठ सदस्य डॉक्टर राजेंद्र पलोड़ लक्ष्मीकांत राठी, राजेंद्र मंत्री, ओम बंसल, धीरेन्द्र सोलंकी, राकेश गहलोत, प्रणव व्यास सहित अन्य सदस्यों और आम जनता की मांग है कि जब तक नर्मदा पुल का निर्माण कार्य पूर्ण नहीं होता है तब तक इस जाम की समस्या से आम नागरिक को निजात दिलाने के लिए सनावद, पुनासा मार्ग स्थित रेलवे फाटक का चौड़ीकरण किया जाए। जबकि सनावद स्थित भैंस बाजार में निर्माणाधीन रेलवे ओवर ब्रिज का काम शीघ्रता से प्रारंभ हो। साथ ही मौर्या नाले स्थित अंडर पास नियोजन की सुध ली जाए। ताकि सनावद बड़वाह की फोरलेन पूर्ण होने तक लोगों को राहत महसूस हो सके। संघर्ष समिति ने जन हित जन सुविधा एवं क्षेत्र के हजारों नागरिकों की भावनाओं के अनुरूप कार्य का संबंधित विभागों से तीव्र स्वर में आह्वान किया है एवं पुन: गतिशील आंदोलन की चेतावनी दी है।

मंडी में हरी सब्जियों की रिकॉर्ड आवक, कीमतों में आई गिरावट

अनोखा तीर, भैरुंदा। क्षेत्र में शीत ऋतु के बढ़ते ही स्थानीय सब्जी मंडी में रौनक देखते ही बन रही है! क्षेत्र में हरी सब्जियों का रकबा बढ़ने और ठंड की बहार आने से मंडी में सब्जियों की आवक ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इस समय विशेष रूप से सर्दियों की जान कही जाने वाली हरी

मटर, पत्ता गोभी, फूल गोभी, पालक, मैथी, बैगन, अदरक और मूली बहुतायत मात्रा में बिकने के लिए पहुंच रही है। मंडी में यह उत्साह अल सुबह ठीक 5 बजे से ही शुरू हो जाता है, जब थोक व्यापारियों, किसानों और ग्राहकों की भारी भीड़ ताजी सब्जियों की खरीदारी के लिए उमड़ पड़ती है। किसानों की मौजूदगी में ही सुबह के सत्र में सब्जियों की नीलामी की जाती है, जिससे पारदर्शिता बनी रहती है। थोक सब्जी विक्रेता संतोष राठौर, निशार भाई, सत्तार भाई, सोनू भाई मंसूरी और गफ्फार भाई ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि ठंड के मौसम में हरी सब्जियों का उत्पादन काफी बड़ी तादाद में देखने को मिल रहा है, जिसके चलते थोक भाव में ग्राहकों को कई सब्जियां कम दामों पर उपलब्ध हो रही हैं। यह उल्लेखनीय है कि बीते दो वर्षों में क्षेत्र के किसानों का रुझान सब्जी की खेती की ओर तेजी से बढ़ा है। प्रतिदिन सैकड़ों किसान मंडी में अपनी ताजी उपज बेचकर अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं। ये किसान थोक सब्जी विक्रेताओं के सहयोग से फुटकर विक्रेताओं को सब्जियां उपलब्ध कराते हैं।

स्थानीय स्तर पर सब्जी का रकबा बढ़ने का परिणाम यह हुआ है कि अब सीहोर, होशंगाबाद और भोपाल से आने वाली हरी सब्जियों की आवक में भी उल्लेखनीय कमी देखी जा सकती है, जो क्षेत्र की आत्मनिर्भरता को दर्शाती है।

प्रशासन की चुप्पी से फल-फूल रहा बाईपास निर्माण, सत्ता के संरक्षण में शिवहरे ?

मंत्री की चेतावनी भी बेअसर, बाईपास घोटाले में जिला प्रशासन फेल

अनोखा तीर, खरगोन।

जिले में शिवहरे इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा किया जा रहा बाईपास सड़क निर्माण कार्य अब विकास नहीं, बल्कि अवैध उत्खनन, पर्यावरण विनाश और प्रशासनिक संरक्षण का जीता-जागता उदाहरण बनता जा रहा है। कंपनी को खनिज विभाग द्वारा जिन चिन्हित स्थानों से उत्खनन की अनुमति दी गई थी, उन्हें दरकिनार कर निजी जमीनों में घुसकर भारी मात्रा में अवैध उत्खनन किया गया, जिससे सरकारी राजस्व और पर्यावरण दोनों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। नियमों को ताक पर रखकर हो रहे इस निर्माण कार्य में न तो प्रदूषण विभाग की अनिवार्य एनओसी ली गई और न ही सड़क निर्माण से जुड़े मानकों का पालन किया जा रहा है।

● राजनीतिक दबाव में कंपनी को संरक्षण, कलेक्टर कार्यालय कटघरे में

● बाईपास घोटाले ने खोली प्रशासन की पोल

बिना एनओसी, धड़ल्ले से उत्खनन – प्रदूषण विभाग की चुप्पी सवालों के घेरे में

- निर्माण कार्य के लिए मिट्टी और मुरम का उत्खनन खुलेआम किया जा रहा है, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पूरी तरह खामोश है। बिना पर्यावरणीय स्वीकृति के चल रहा यह कार्य सीधे-सीधे कानून का उल्लंघन है, फिर भी किसी अधिकारी की कलम नहीं चली।

निजी जमीनों में उत्खनन, किसानों की जमीन छलनी

- कंपनी ने अनुमति प्राप्त खदान क्षेत्रों को छोड़कर आसपास की निजी भूमि को निशाना बनाया। कई स्थानों पर खेतों को गड्ढों में तब्दील कर दिया गया, लेकिन न तो भूमि स्वामियों की सहमति ली गई और न ही किसी प्रकार का वैधानिक मुआवजा दिया गया।

6 महीने बीते, फिर भी 'फाइलें धूल खा रही'

- इस पूरे मामले को लेकर जिला प्रशासन और कलेक्टर कार्यालय में छह महीने पूर्व लिखित शिकायतें की गई थीं, लेकिन आज दिनांक तक खनिज विभाग द्वारा एक भी ठोस कार्रवाई नहीं की गई। न निरीक्षण रिपोर्ट सार्वजनिक हुई, न ही कंपनी पर जुर्माना या एफआईआर की कार्रवाई सामने आई।

खनिज निरीक्षक की भूमिका संदेह के घेरे में

- लगातार मिल रही शिकायतों और मौके की वास्तविक स्थिति के बावजूद खनिज निरीक्षक की निष्क्रियता कई सवाल खड़े कर रही है। जानकारों का कहना है कि यदि निरीक्षक समय पर निरीक्षण करता तो इतना बड़ा अवैध उत्खनन संभव ही नहीं था। ऐसे में उनकी भूमिका अब सीधे तौर पर संदेह के घेरे में नजर आ रही है।

खनिज विभाग और कलेक्टर कार्यालय कटघरे में

- खनिज विभाग और जिला कलेक्टर कार्यालय में सैकड़ों लिखित शिकायतें दर्ज कराई जा चुकी हैं, लेकिन आज तक न तो कोई ठोस जांच हुई और न ही किसी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई। इससे साफ प्रतीत होता है कि जिला प्रशासन पूरी तरह नाकाम साबित हो रहा है, या फिर जानबूझकर आंखें मूंदे बैठा है।

मंत्री के निरीक्षण में उजागर हुईं कमियां, फिर भी सब कुछ ठंडे बस्ते में

- कुछ दिन पूर्व लोक निर्माण विभाग के मंत्री राकेश सिंह द्वारा किए गए आकस्मिक निरीक्षण में सड़क निर्माण में कई गंभीर कमियां पाई गई थीं। इसके बाद हाल ही में प्रभारी मंत्री को भी पूरे मामले की शिकायत की गई, लेकिन हैरानी की बात यह है कि अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

कंपनी को बचाने में जुटे जनप्रतिनिधि ?

- कलेक्टर कार्यालय के गलियारों से मिली जानकारी के अनुसार, बाईपास निर्माण कंपनी को बचाने के लिए सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधि पूरी ताकत से लगे हुए हैं। नाम न छापने की शर्त पर अधिकारियों ने स्वीकार किया कि राजनीतिक दबाव के चलते कार्रवाई रोकी जा रही है।

राष्ट्रीय कुश्ती में खंडवा के पहलवानों का शानदार प्रदर्शन

अनोखा तीर, खंडवा। कुश्ती के क्षेत्र में खंडवा जिला प्रदेश में तेजी से पहचान बना रहा है और अब कुश्ती के हब के रूप में उभरता नजर आ रहा है। सीमित संसाधनों और शासकीय कोच के अभाव के बावजूद जिले के पहलवान राष्ट्रीय स्तर पर लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि राष्ट्रीय सीनियर कुश्ती प्रतियोगिता अहमदाबाद (गुजरात) में आयोजित की जा रही है, जिसमें मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए खंडवा जिले के ग्राम बोरगांव खुर्द निवासी नीरज पटेल ने 57 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक तथा उदित पटेल ने 60 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि जिले में कुश्ती को बढ़ावा देने में प्रदेश कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष मंगल यादव सहित हीरालाल यादव, राजेंद्र पांजरे, ऋषि सोनकर और जगदीश पटेल जैसे प्रशिक्षकों का अहम योगदान है, जो निरंतर खिलाड़ियों को मार्गदर्शन दे रहे हैं। इसी का परिणाम है कि खंडवा के पहलवान राष्ट्रीय मंच पर पदक हासिल कर रहे हैं। इस उपलब्धि पर जनप्रतिनिधियों, कुश्ती संघ पदाधिकारियों, प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों ने दोनों पहलवानों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

जीपीएफ गुमशुदा कटौतियों के निराकरण के लिए आज शिविर

अनोखा तीर, खंडवा। शासकीय सेवकों के जीपीएफ गुमशुदा कटौत्रे, निष्क्रिय जीपीएफ खाते एवं अप्रविष्ट मदों के निराकरण के लिए महालेखाकार कार्यालय ग्वालियर द्वारा इंदौर कोषालय में विशेष शिविर आयोजित किया जा रहा है। जिला कोषालय अधिकारी आरएस गवली ने बताया कि खंडवा जिले से संबंधित प्रकरणों के निराकरण के लिए यह शिविर 16 दिसंबर को जिला कोषालय इंदौर में आयोजित होगा। उन्होंने जिले के समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अपने कार्यालय से संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों के गुमशुदा कटौत्रे, निष्क्रिय खातों, पार्ट वांट, फुल वांट एवं अप्रविष्ट मदों से जुड़े प्रकरणों के निराकरण के लिए अपने प्रतिनिधि को शिविर में अनिवार्य रूप से भेजें। जिला कोषालय अधिकारी ने अपील की है कि जीपीएफ प्रकरणों के निराकरण हेतु सामान्य भविष्य निधि कटौत्रा पत्रक, वेतन देयक, चालान की प्रति, कैशबुक, बिल रजिस्टर सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियां साथ लेकर शिविर में उपस्थित हों, ताकि प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जा सके।

● नायब तहसीलदार से की शासकीय जमीन बचाने पर चर्चा... ● ग्रामीणों ने पूछा आखिर क्यों कार्यवाही नहीं हो रही ● किसके दबाव में शासकीय जमीन को यूं ही छोड़ा जा रहा

धरना दे रहे ग्रामीण खुद एसडीएम कार्यालय पहुंचे

अनोखा तीर, बड़वाह।

मेहताखेड़ी स्थित शासकीय चरनोई भूमि खसरा नंबर 38 को बचाने के लिए लंबे समय से धरने पर बैठे ग्रामीणों का धैर्य अब जवाब मांगने लगा है। जिसके चलते सोमवार को ग्रामीण नर्मदा रोड स्थित एसडीएम कार्यालय पहुंचे, लेकिन यहां भी उन्हें वही पुरानी कहानी सुनने को मिली अधिकारी अनुपस्थित नहीं, जिम्मेदारी टली हुई और कार्रवाई का आश्वासन भविष्य के हवाले। एसडीएम सत्यनारायण दर्रो की गैरमौजूदगी में ग्रामीणों की चर्चा नायब तहसीलदार विजयपाल सिंह चौहान से हुई। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि धरना देते कई दिन बीत गए, लेकिन न तो खसरा 38 शासकीय चरनोई भूमि का सीमांकन हुआ और न ही भूमाफिया के अवैध कब्जे हटाए गए। जब प्रशासन के पास समय नहीं था, तो ग्रामीण खुद कार्यालय पहुंच गए, यह जानने कि आखिर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही और किसके दबाव में शासकीय जमीन को यूं ही छोड़ दिया गया है। ग्रामीणों ने दो टूक कहा कि उनका संघर्ष किसी निजी स्वार्थ के लिए नहीं है। वे शासकीय जमीन को बचाने के लिए सड़क पर हैं, ताकि गाय माता की चरनोई भूमि भूमाफिया के हाथों न चली जाए। लेकिन कार्यालय में मौजूद नायब तहसीलदार चौहान ने यह कहकर खुद को अलग कर

लिया कि उनका कार्यक्षेत्र बलवाड़ा ब्लॉक है और वे संयोग से बड़वाह कार्यालय आए हैं। साथ ही यह भी कहा कि इस संबंध में वे वरिष्ठ अधिकारियों से बात करेंगे।

इधर, कार्यालय के स्टेनो टाइपिस्ट शिव पंवार ने बताया कि एसडीएम साहब खरगोन टीएल बैठक में गए हैं और ग्रामीणों को मंगलवार को आने की सलाह दी, यह कहते हुए कि तब तत्काल निराकरण कर दिया जाएगा और सीमांकन भी हो जाएगा। लेकिन यही मंगलवार ग्रामीणों के लिए अब एक प्रतीक बन चुका है, जो आता जरूर है, पर समाधान कभी नहीं लाता।

जानबूझकर हमें बेवकूफ बना रहा प्रशासन

ग्रामीण जगदीश केवट ने कहा कि प्रशासन जानबूझकर हमें बेवकूफ बना रहा है, ताकि भूमाफिया को बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि ग्रामीण शांति पूर्वक रात-दिन धरने पर डटे हैं और किसी भी कीमत पर शासकीय जमीन की सौदेबाजी स्वीकार नहीं की जाएगी। हम चाहते हैं कि शासन-प्रशासन इस जमीन का उपयोग जनमानस के हित में करे, न कि गुपचुप तरीके से इसे निजी हाथों में सौंप दे।

पुलिस थाने भी पहुंचे ग्रामीण

मामला यहीं नहीं रुका। ग्रामीण पुलिस थाने भी पहुंचे, जहां उनकी आमने-सामने मुलाकात निजी जमीन मालिक सरदार पटेल से हो गई। मौके पर मौजूद एसआई रेणुका राठौड़ ने दोनों पक्षों को समझाइश दी और किसी भी तरह के विवाद से दूर रहने की सलाह दी। ग्रामीणों का आरोप था कि निजी जमीन मालिक धरना स्थल पर आकर विवाद खड़ा करता है, जबकि सरदार पटेल का दावा था कि उनके पास प्रशासन की दंड रसीद है और वर्षों से उक्त भूमि पर उनका कब्जा है। ग्रामीणों का कहना है कि चरनोई सहित अन्य शासकीय जमीनों में पहले अवैध कब्जे किए गए, फिर दंड रसीद कटवाई गई और बाद में निजी के साथ फर्जी तरीके से लिखापढ़ी कर जमीनों को औने-पौने दामों में रफादफा कर दिया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि कोटवारों की जमीन में भी सेंधमारी हुई है। यह पूरा खेल हल्का पटवारी की मिलीभगत के बिना संभव नहीं।

सार-समाचार

कसक गौर का राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में चयन

अनोखा तीर, सिवनी मालवा। स्थानीय शासकीय कुसुम स्नातकोत्तर महाविद्यालय की छात्रा कसक गौर का चयन राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए किया गया है। यह प्रतियोगिता 16 से 17 दिसंबर तक शारीरिक शिक्षा विभाग रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर में होगी। बताया गयाकि महाविद्यालय प्राचार्य राजेश कुमार रघुवंशी मार्गदर्शन में क्रीड़ा अधिकारी सोमेश राठौर के नेतृत्व में छात्रा बरकतउल्ला विश्वविद्यालय की एथलेटिक्स टीम में प्रतिनिधित्व करेगी। छात्रा के चयन होने पर महाविद्यालय के समस्त स्टाफ तथा खिलाड़ियों ने शुभकामनाएं देते हुए इसके उज्जवल भविष्य की कामना की।

नहर में डूबे युवक का शव मिला, दूसरे की तलाश जारी

अनोखा तीर, इटारसी। इटारसी के पास जमानी बड़ी नहर में शुक्रवार शाम डूबे दो युवकों में से एक का शव सोमवार को बरामद कर लिया गया। पुलिस ने मृतक की पहचान सारंग चौधरी उर्फ छोटू के रूप में की है, जिसका शव नंदनवाड़ा नहर में मिला। दूसरे युवक शिवशंकर उर्फ धन्नू वर्मा की तलाश अभी भी जारी है। पथरोटा थाना प्रभारी संजीव कुमार पवार ने बताया कि दोनों युवक ग्राम भट्टी के निवासी थे और उनकी उम्र लगभग 35 वर्ष थी। वे शुक्रवार शाम को नहर में डूब गए थे। घटना के बाद से ही पुलिस, एसडीआरएफ और अन्य राहत दल लगातार सर्च ऑपरेशन चला रहे थे। शुक्रवार और शनिवार को एसडीआरएफ टीम ने नहर में खोजबीन की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। रविवार को भी छोटी और बड़ी नहरों में तलाश जारी रही। सोमवार को रेहटगांव तक नहर में तलाशी के दौरान सारंग चौधरी का शव बरामद हुआ। इसके बाद रात होने के कारण सर्च ऑपरेशन रोक दिया गया। मंगलवार सुबह से फिर दूसरे लापता युवक शिवशंकर की तलाश शुरू की जाएगी।

स्टेट सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर सेस्टोबॉल चैंपियनशिप

नर्मदापुरम जिले की टीम ने किया शानदार प्रदर्शन

अनोखा तीर, इटारसी। जबलपुर में आयोजित स्टेट सब–जूनियर, जूनियर एवं सीनियर सेस्टोबॉल चैंपियनशिप 2025 में नर्मदापुरम जिले की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया। इस प्रतियोगिता में प्रदेश की 10 से 15 से अधिक टीमों ने भाग लिया, जिसमें नर्मदापुरम ने सब–जूनियर वर्ग में द्वितीय स्थान, जूनियर वर्ग में तृतीय स्थान तथा सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर तीनों वर्गों की ट्रॉफी अपने नाम की। बताया गया कि इस सफलता का श्रेय टीम के कोच उत्कर्ष मालवीय की उत्कृष्ट कोचिंग, जुनून और प्रेरणा को जाता है। खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत और अनुशासन से यह उपलब्धि संभव हुई, जिस पर पूरे नगरवासियों ने टीम को हार्दिक बधाई दी। टीम में शामिल खिलाड़ियों में करण केवट, रेहान खान, वेदांत पटेल, सुमित चौहान, शरणांश, रेहान कुरैशी, तनवीर बरखाने, शिवांश तिवारी, राहुल सिसोदिया, लक्ष्य सिसोदिया, अजहर खान, इशान खान, काव्या मालवीय एवं तालिब खान शामिल रहे।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम

कठपुतली एवं नुक्कड़ नाटक से दिया जागरुकता संदेश

अनोखा तीर, इटारसी। महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना केसला के सेक्टर पथरोटा एक के हायर सेकेंडरी स्कूल जुझारपुर में सोमवार को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेक्टर पर्यवेक्षक चेतना ढीवरे द्वारा बताया गया कि समृद्धि ड्रामा कंपोजिट ग्रुप सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय केंद्रीय संचार ब्यूरो के कलाकारों लाखन सोलंकी, रिजवाना खान, हेमंत जाटव, मुकेश नागवंशी, मुकेश कुशवाहा, निर्जला सोलंकी ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत कठपुतली शो एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से संदेश दिया। जिसमें लिंग परीक्षण, भ्रुण

किसी भी व्यक्ति की भूमि या मकान का बिना उचित मूल्य दिए नहीं किया जाएगा अधिग्रहण : एसडीएम

ओवरब्रिज भूमि अधिग्रहण पर मुआवजे को लेकर तहसील कार्यालय पहुंचे नागरिक

अनोखा तीर, सिवनी मालवा। शिवपुर रोड पर निर्माणाधीन ओवरब्रिज के चलते भूमि अधिग्रहण को लेकर मुआवजे की स्थिति स्पष्ट न होने से उत्पन्न संशय के कारण नगर के रहवासी बड़ी संख्या में सोमवार को तहसील कार्यालय पहुंचे। नागरिकों ने एसडीएम कार्यालय में पहुंचकर अपनी चिंताओं से अवगत कराया और आशंका जताई कि यदि मुआवजे की प्रक्रिया स्पष्ट नहीं हुई तो आमजन अपने अधिकारों से वंचित हो सकते हैं।

नागरिकों ने बताया कि बन रहे ओवरब्रिज के अंतर्गत आने वाली भूमि और आवासों का अधिग्रहण तो किया जा रहा है, लेकिन अभी तक मुआवजे की राशि, दर और भुगतान प्रक्रिया को लेकर कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई है। इसी अनिश्चितता के चलते प्रभावित परिवारों में चिंता का माहौल बना हुआ है। इस अवसर पर अनुविभागीय दंडाधिकारी विजय राय ने नागरिकों को आश्वस्त करते हुए स्पष्ट कहा कि किसी भी व्यक्ति की भूमि या मकान का अधिग्रहण बिना उचित मूल्य दिए नहीं किया जाएगा। नागरिकों की जमीन का एक-एक रुपया शासन द्वारा दिया जाएगा। शासन की नीति पूरी तरह स्पष्ट है कि जिस भूमि या संपत्ति की जो कीमत होगी, वही राशि संबंधित भूमि स्वामी को मुआवजे के रूप में प्रदान की जाएगी। किसी भी रहवासी को परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। उल्लेखनीय है कि झकलाय-शिवपुर रेलवे गेट पर ओवरब्रिज का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस ब्रिज के निर्माण के बाद क्षेत्रवासियों को रेलवे फाटक पर लगने वाले लंबे जाम और घंटों के इंतजार से राहत मिलेगी। वर्तमान में ट्रेनों की आवाजाही के कारण लोगों को काफी समय तक फाटक बंद रहने की समस्या से जूझना पड़ता है। इसी समस्या के समाधान के लिए ओवरब्रिज का निर्माण कराया जा रहा है। ओवरब्रिज निर्माण की जद में आने वाले कुछ नागरिकों की भूमि एवं कुछ आवासों को शासन द्वारा अधिग्रहित कर ध्वस्त किया जाएगा, जिसके

एवज में नियमानुसार मुआवजा प्रदान किया जाएगा। प्रशासन का कहना है कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता के साथ की जाएगी ताकि किसी भी नागरिक के साथ अन्याय न हो।

ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार को रौंदा, महिला की मौत, पोती भोपाल रिफर

अनोखा तीर, माखननगर। स्थानीय माखनलाल चतुर्वेदी शासकीय महाविद्यालय के सामने ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार को रौंद दिया। जिससे मोटर साइकिल पर सवार दादी की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वहीं पोती के दोनों पैरों पर से चका निकल गया, जिसे नर्मदापुरम और वहां से भोपाल रिफर किया गया। प्रशासन की लापरवाही के विरोध में परिजनों ने शव रखकर चक्काजाम किया, जो करीब 6 घंटे तक चला।

थाने से प्राप्त जानकारी अनुसार कपिया बाई अहिरवार उम्र 81वर्ष मोटरसकिल से पोती प्रियांशी उम्र 12 वर्ष के साथ अपने नाती के साथ नर्मदापुरम से अपने ग्राम बज्जरवाड़ा जा रही थी। रस्ते में कॉलेज के सामने पीछे से आ रहे ट्रक क्रं एमपी 09 एचजी 4080 के चालक ने तेज गति से मोटरसाइकिल सवार को रौंद दिया। जिससे दादी की मौत हो गई एवं पोती एवं चालक नाती को भोपाल उपचार के लिए रिफर किया गया। परिजनों एवं सामाजिक लोगों ने एकत्रित होकर हाइवे पर शव रखकर चक्काजाम किया। जो करीब 6 घंटे चला, एसडीएम के लिखित आश्वासन पर जाम खुला।

शाहगंज पुलिस की बड़ी कार्रवाई, पौने पांच लाख की अवैध शराब जप्त

● पानी की टंकी में छिपाकर रखी थी 73 पेटी देशी-विदेशी शराब, आरोपी फरार

अनोखा तीर, बुदनी।

क्षेत्र की शाहगंज पुलिस ने बड़ी मात्रा में अवैध शराब जप्त करने में सफलता प्राप्त की है। बताया गया कि पुलिस अधीक्षक सीहोर दीपक कुमार शुक्ला एवं एएसपी सुनीता रावत के निर्देशन तथा एसडीओपी बुदनी रवि शर्मा के मार्गदर्शन में अवैध शराब कारोबार के विरुद्ध पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। थाना प्रभारी

शाहगंज दिनेश चौहान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने लगभग 4 लाख 73 हजार रुपए की अवैध शराब जप्त की है। बताया गया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम मछ्वाई निवासी विपिन चौहान के घर में बने पानी के टैंक में अवैध देशी एवं अंग्रेजी शराब छिपाकर रखी गई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल दबिश दी। कार्रवाई के दौरान पानी की टंकी से देशी व अंग्रेजी शराब की कुल 73 पेटियां बरामद की गईं। जप्त शराब की कुल मात्रा 679 लीटर 860 मिलीलीटर पाई गई, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 4 लाख 73 हजार 390 रुपए आंकी गई है। इस संबंध में थाना शाहगंज में अपराध क्रं 377/25, धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी विपिन पिता बारेलाल चौहान निवासी ग्राम मछ्वाई के विरुद्ध वर्ष 2020 में भी धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया है। फिलहाल आरोपी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

इसी क्रम में थाना बुदनी पुलिस द्वारा दो ढाबों पर कार्रवाई करते हुए कुल 42.45 लीटर एवं 26.86 लीटर अवैध शराब जब्त की गई है। वहीं थाना रेहटी क्षेत्र में ग्राम सोयत से संतोष पिता सुनेरीलाल के कब्जे से 22 क्वार्टर तथा ग्राम माथनी से सुनील पिता मदन नगर के कब्जे से 18 क्वार्टर अवैध शराब जब्त की गई। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी शाहगंज दिनेश चौहान, चौकी प्रभारी बक्तरा एसआई मनोज मालवीय, एसआई पूनम राय, प्रधान आरक्षक राजेंद्र वर्मा, बबलेश, आरक्षक मनोज, सौरभ, हर्षित, शुभम एवं सैनिक ओमप्रकाश का विशेष योगदान रहा। पुलिस द्वारा अवैध शराब कारोबारियों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई जारी है।

छात्राओं के मानसिक उत्थान के लिए पांच दिवसीय कार्यशाला संपन्न

● हार्टफुलनेस हैदराबाद के साथ एमओयू एवं डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स अंतर्गत 65 छात्राओं ने लिया लाभ

अनोखा तीर, नर्मदापुरम।

स्थानीय शासकीय गृहविज्ञान अग्रणी महाविद्यालय एवं हार्टफुलनेस हैदराबाद के मध्य एमओयू और डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स के अंतर्गत छात्राओं के मानसिक उत्थान के लिए हार्टफुलनेस केंद्र नर्मदापुरम द्वारा पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन के संरक्षण में किया गया।

बताया गया कि इस कार्यशाला का आयोजन 8 से 12 दिसंबर 2025 तक किया गया, जिसमें महाविद्यालय की विभिन्न संकाय की लगभग 65 छात्राओं ने लाभ प्राप्त किया। हार्टफुलनेस एक गैर लाभकारी आध्यात्मिक संस्था है जो मानव जीवन के उत्थान के लिए निःशुल्क कार्य करती है। सन 2016 से यह संस्था सतत् महाविद्यालय, छात्रावास और जनजातीय छात्रावासों में कार्य कर रही है। कार्यशाला का शुभारंभ 08 दिसंबर को महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन एवं हार्टफुलनेस संस्था के जोनल समन्वयक और प्रशिक्षक डॉ. कमल वाधवा प्राध्यापक गणित शासकीय नर्मदा महाविद्यालय की उपस्थिति में हुआ। इस दौरान डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स की महाविद्यालय की प्रभारी डॉ. रश्मि श्रीवास्तव, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. श्रीकांत दुबे, डॉ. भारती दुबे, डॉ. श्रीमती संगीता पारे, डॉ. वर्षा भिंगारकर, डॉ. निशा रिछारिया, प्रीति ठाकुर, डॉ. मनीषा तिवारी, ईशा शास्त्री आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य ने छात्राओं का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि वर्तमान जीवन को देखते हुए उन्हें मानसिक दृढ़ता और आंतरिक शक्ति की बहुत जरुरत है जो पढ़ने और सुनने के स्थान पर कुछ करके ही मिल सकती है। इस कार्यशाला

में सैद्धांतिक और प्रायोगिक दोनों विधाओं का प्रयोग किया जाएगा। छात्राओं को आशीर्वचन प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। पांच दिवसीय कार्यशाला के मुख्य विषय कनेक्ट, कोर, चॉइस, कॉन्ज़ेलिटी और कम्युनिटी थे। जिन्हें हार्टफुलनेस प्रशिक्षकों डॉ. कमल वाधवा, डॉ. योगेश खंडेलवाल, विनय पालीवाल ने प्रस्तुत किया।

प्रायोगिक सत्र में ध्यान का अभ्यास हार्टफुलनेस प्रशिक्षकों आभा वाधवा और अमित गोपलानी द्वारा कराया गया। इस कार्यशाला के फ़ॉलोअप सत्र प्रत्येक सोमवार को आयोजित किये जाएंगे। छात्राओं ने अपने फीडबैक में बताया कि उन्हें अद्भुत अनुभूति हुई। उन्होंने स्वयं से जुड़ने और आंतरिक रूप से परिचय प्राप्त किया। इसे नियमित करने पर अपनी सहमति भी प्रकट की। डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स की प्रभारी डॉ. रश्मि श्रीवास्तव ने इस कार्यशाला की सराहना की और छात्राओं के जीवन के लिए उपयोगी बताया। वरिष्ठ प्राध्यापकों डॉ. श्रीकांत दुबे, डॉ. भारती दुबे ने भी इस कार्यशाला के प्रायोगिक सत्रों की प्रशंसा की। युवाओं के लिए हार्टफुलनेस की इस पहल की सराहना की। युवाओं को उचित रास्ता चुनने में संस्था की भूमिका की प्रशंसा की। विकसित भारत के निर्माण में युवाओं को विकसित करने का यह सत्र लाभकारी है। आध्यात्मिक विकास ही सही सोच, सही समझ और जीवन जीने का ईमानदार दृष्टिकोण देता है। महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकों ने सत्रों में भाग लिया और हार्टफुलनेस ध्यान का अनुभव प्राप्त किया।

रोमांच, आक्रामकता और गोल की बौछार, बैतूल, सिवनी व इटारसी जीते

अनोखा तीर, इटारसी।

स्थानीय नगर पालिका परिषद द्वारा आयोजित अखिल भारतीय महात्मा गांधी स्मृति हॉकी प्रतियोगिता के दूसरे दिन सोमवार को तीन बेहद रोमांचक और संघर्षपूर्ण मुकाबले खेले गए। इन मैचों में दर्शकों को दमदार आक्रामकता और एकतरफा जीत दोनों का मिश्रण देखने को मिला। सभी मैचों का संचालन अनुभवी निर्णायकों की टीम द्वारा सफलतापूर्वक किया गया।

डीएचए इंदौर ने बैतूल को संघर्षपूर्ण मुकाबले में हराया

दिन का पहला मुकाबला इंदौर और बैतूल के बीच खेला। मैच की शुरुआत में ही बैतूल के खिलाड़ी अभय ने शानदार फील्ड गोल करके अपनी टीम को 1-0 की शुरुआती बढ़त दिला दी। इस गोल के बाद इंदौर की टीम दबाव में आ गई और उसने लगातार शॉर्ट कॉर्नर अर्जित किए, लेकिन गोल में तब्दील करने में सफलता नहीं मिली। तीसरे क्वार्टर में इंदौर के उमर ने गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर किया। अंततः इंदौर के औरंगजेब ने किया। निर्णायक गोल मैच का पासा पलट गया, जिसकी बदौलत डीएचए इंदौर ने यह कांटे का मुकाबला 2-1 से अपने नाम कर लिया।

सिवनी की आक्रामक जीत

प्रतियोगिता का दूसरा मैच सिवनी और दमोह के मध्य खेला गया, जो पूरी तरह से एकतरफा रहा। हालांकि, पहले क्वार्टर में दमोह की टीम ने गोल करके बढ़त बना ली थी, लेकिन इसके बाद सिवनी की टीम ने अपनी आक्रामकता का गियर बदला। सिवनी ने विरोधी टीम पर लगातार गोल दागते हुए बड़ा दबाव बनाया और दमोह को 8-1 के विशाल अंतर से पराजित कर अपनी मजबूत दावेदारी पेश की।

घरेलू टीम अमर ज्योति क्लब इटारसी का दबदबा

दिन का तीसरा और अंतिम मुकाबला स्थानीय टीम अमर ज्योति क्लब इटारसी और जबलपुर के बीच खेला गया। इटारसी की टीम ने शुरुआत से ही मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा। पहले हाफ तक इटारसी ने 2-0 की अच्छी बढ़त बना ली थी, जिसमें पहला गोल गोलू भाटिया ने किया। दूसरे हाफ में मयंक जेम्स और अन्य खिलाड़ियों के शानदार तालमेल और प्रदर्शन की बदौलत इटारसी ने तीन और गोल दागे। शानदार टीम वर्क के दम पर अमर ज्योति क्लब इटारसी ने यह मुकाबला 5-0 के बड़े अंतर से जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। इन रोमांचक मुकाबलों में संजय गुप्ता, फैजान, पवन कुमार एवं ब्रजेश यादव ने निर्णायक की भूमिका बखूबी निभाई। प्रथम मैच में मुख्य अतिथि के रूप में नगर मंडल भाजपा इटारसी के पदाधिकारी उपस्थित रहे। जबकि दूसरे मैच में भाजपा जिला महामंत्री मुकेश चंद्र मैना, डॉ. संजय गुप्ता, भरत वर्मा, पंडित अनिल मिश्रा और मन्नी छाबड़ा मौजूद रहे।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने नेहरू पार्क चौपाटी का किया निरीक्षण

अनोखा तीर, बैतूल।

● दुकान में साफ-सफाई रखने के दिए निर्देश

कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में खाद्य पदार्थों का विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों की सघन जांच एवं नमूने लिए जाने की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा प्रशासन शैलेंद्र बड़ोनिया के मार्गदर्शन में 15 दिसंबर को नेहरू पार्क स्थित चौपाटी पर चलित खाद्य प्रयोगशाला द्वारा खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच कर नमूने लिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप पाटील ने संभागीय चलित खाद्य प्रयोगशाला के केमिस्ट हेमंत कीर, सहायक योगेश दिवगाया व बृजेश पटेल के साथ 11 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर 30 नमूने एकत्र किए, जिसकी जांच चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से की जा रही है। लिए गए नमूने फेल होने पर खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी। निरीक्षण के दौरान खाद्य विभाग की टीम ने सभी खाद्य कारोबार कर्ताओं को अपने परिसर में साफ-सफाई रखने और खराब पानी को परिसर के सामने नहीं फेंकने की समझाइश दी। इसके अलावा खाद्य पदार्थ बनाते समय केप व एप्रेन का उपयोग करने के निर्देश दिए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि कोई भी आम व्यक्ति चलित खाद्य प्रयोगशाला में 10 रुपए का चालान जमा कर किसी भी खाद्य पदार्थ की जांच करा सकता है। चलित खाद्य प्रयोगशाला 15 दिसंबर से 19 दिसंबर 2025 तक बैतूल जिले में भ्रमण करेगी। यह कार्यवाही सतत जारी रहेगी।

सार-समाचार

समाज परिवर्तन में मात्र शक्ति की महत्ती भूमिका : अखिलेश्वरी दीदी

अनोखा तीर, नेमावर। विद्या भारती के सानिध्य में सरस्वती शिशु मंदिर में सप्त शक्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया। बताया गया कि मात्र शक्ति के इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मात्र शक्ति को उनके सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक करना, समाज में उनके सम्मान और भूमिका को मजबूत किया जाना है। कार्यक्रम में नगर की सैकड़ों बहिने शामिल हुई। वहीं कार्यक्रम में समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाली बहिनों का श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। मुख्य वक्त के रूप में राष्ट्रीय कथा वाचक व नगर, क्षेत्र के बेटी अखिलेश्वरी दीदी बागेश्वरी धाम बागदी संगम आश्रम, निधि अग्रवाल, सीमा राठौर ने मंचीय भूमिका प्रदान की। अखिलेश्वरी दीदी ने नारी सशक्ति करण पर अपने विचार रखे तथा कहा कि समाज परिवर्तन में मात्र शक्ति की अहम भूमिका है। जैसे भगवान को चाहे आप छप्पन भोग अर्पित करो पर जब तक उस भोग पर तुलसी दल नहीं रखोगे तब तक वह भोग भगवान को गृही न होगा । जिस तरह सनातन में तुलसी का महत्व है वैसा ही समाज में मात्र शक्ति का है। छप्पन भोग पर एक तुलसी दल भारी होता है वहीं समाज के उत्थान में नारी का है। कार्यक्रम में बाबू लाल शर्मा ग्राम भारती अध्यक्ष हाटपीपल्या, संजय दुबे कोषाध्यक्ष, जिला कार्यालय प्रमुख सेंधव, विजय सावलीया संकुल प्रमुख, मुकेश चौहान, नर्मदा प्रसाद, प्रवीण दुबे, दिगपाल तोमर, दिलीप सरैया, जेपी पाटिल आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मीनाक्षी दीदी ने किया एवं आभार सीमा दीदी ने माना।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन का वार्षिक सम्मेलन 20 दिसम्बर को होगा

अनोखा तीर, कांटाफोड़। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील सतवास की बैठक आरसी तिवारी के मुख्य आतिथ्य, ओपी जोशी बीएल मालवीय के विशेष आतिथ्य व तहसील अध्यक्ष सुन्दर जायसवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संघ का वार्षिक सम्मेलन 20 दिसम्बर को पेंशनर भवन तहसील परिसर सतवास में आयोजित करने का सर्वानुमति से निर्णय लिया गया। कार्यक्रम को भव्य और गरिमामय बनाने के लिए सामग्री क्रय समिति, भोजन समिति, मंच व्यवस्था, अतिथियों का सम्मान आदि के लिए जवाबदारियों का विभाजन करते हुए सभी साथियों से कार्यक्रम में पूर्ण सहभागीता करने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम सुबह 9 बजे से शुरू होगा और नवीन अध्यक्ष के निर्वाचन के साथ संपन्न होगा। बैठक में दिनेशचंद्र कचोले, कैलाशचन्द्र प्रजापति, छतरसिंह सिसोदिया, मुकेश तिवारी व फरियाद हुसैन सैय्यद का पुष्प माला से स्वागत कर संघ की सदस्यता प्रदान की गई। इस अवसर पर जगदीशचंद्र उइके, वहीद खान, खेरुशाह, प्रकाशचंद्र सोलंकी, मोहनलाल उपाध्याय, श्यामलाल जाधव, राघवेन्द्र तिवारी, जेपी यादव, एचएल उइके, जयनारायण धुर्वे, मांगीलाल चौधरी, धर्मेन्द्र व्यास, देवेन्द्र जोशी, श्रीमल टी पलासिया, वाहिद खान पठान, राधेश्याम गोयल, अरविंद शर्मा आदि पेंशनर्स उपस्थित रहे। संचालन कवि सुरेश साहू ने किया व आभार रामेश्वर यादव ने व्यक्त किया।

नगर में भव्य संगीतमय श्रीमदभागवत कथा 17 से

अनोखा तीर, खातेगांव। नगर में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी 17 से 23 दिसम्बर तक डाक बंगला मैदान खातेगांव में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है, कथा का यह आठवां वर्ष रहेगा। कथा का रसपान क्षेत्र के गौरव राजराजेश्वर शास्त्री के मुखारविंद से होगा। बताया गया कि इस वर्ष आयोजन में श्रीमद् भागवत कथा में प्रतिदिन वृंदावन धाम से पधारे कलाकारों द्वारा प्रतिदिन विभिन्न झांकियों का दर्शन होगा, कथा का समय प्रतिदिन 1 से 4 तक रहेगा। आयोजन समिति खातेगांव नगर व क्षेत्रवासी महिला मंडल ने समस्त भक्त श्रद्धालुओं से अपील की है कि प्रतिदिन कथा में पहुंचकर कथा श्रवण करें और मानव जीवन को धन्य बनाएं।

शासकीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं को गर्म कपड़ों का किया वितरण

हमारे मन में हर समय दया का भाव होना चाहिए : दुबे

अनोखा तीर, खातेगांव। जीवन में कर्म के साथ सेवा, समर्पण, दान, धर्म, दया को यदि हम जोड़ें तो निश्चित ही हम जीवन में बहुत उन्नति के शिखर पर पहुंच सकते हैं। किसी के भी प्रति हमारे मन में दया का भाव हर समय होना चाहिए। उक्त विचार नगर के पुष्पदीप इंटरनेशनल स्कूल और गर्ल्स कॉलेज में आयोजित चैरिटी कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष सुधीर दुबे ने बड़ी संख्या में उपस्थित छात्र-छात्राओं के बीच व्यक्त किए। विशेष अतिथि पूर्व पार्षद प्रदीप साहू ने छात्र-छात्राओं के बीच अपने संबोधन में कहा कि जीवन के हर क्षण, हर पल को सेवा में समर्पित करना ही जीवन का मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। जरूरतमंदों की सेवा के भाव से ही परमात्मा की सेवा होती है। निश्चित ही पुष्पदीप स्कूल परिवार ने स्कूली छात्र-

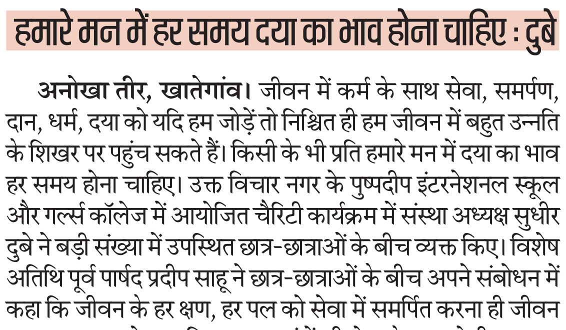

छात्राओं को ठंड के इस दौर में गर्म कपड़ों का वितरण किया, यह एक प्रेरणादायक कार्य है। इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन सुधीर दुबे, डायरेक्टर अभास दुबे एवं श्रीमती शुभांगी दुबे, स्कूल प्राचार्य विजय कुमार सिंह, कॉलेज प्राचार्य कविन्द्र सिंह राजपूत, प्रदीप साहू, शिक्षिका मीना तिवारी, शिक्षक मंगल तिवारी सहित विद्यालय के विद्यार्थियों ने आयोजन में स्कूल द्वारा नयापुरा बजगांव के विद्यालीयन 80 छात्र-छात्राओं को स्वेटर वितरित किए। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने छात्रों को दान, सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि दूसरों की मदद करना केवल जरूरतमंदों के लिए ही नहीं, बल्कि इससे हमारी अपनी खुशी, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों का भी विकास होता है। कार्यक्रम में स्कूल के छात्रों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और यह समझा कि छोटी सी सहायता भी किसी के जीवन में बड़ा सकारात्मक बदलाव ला सकती है। संस्थान के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य बच्चों में सहानुभूति, सामाजिक जिम्मेदारी और मानवता के मूल्यों को विकसित करना है, ताकि वे भविष्य में एक जागरूक और संवेदनशील नागरिक बन सकें। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यालय के छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं भी उपस्थित रहे।

बिना तकनीकी निगरानी के बन रही 45 लाख की आरसीसी सड़क, नगर परिषद पर गंभीर आरोप

मुख्यमंत्री अधोसंरचना योजना की सड़क में गड़बड़ी, कलेक्टर से शिकायत

अनोखा तीर, बैतूल। मुख्यमंत्री अधोसंरचना चतुर्थ चरण के अंतर्गत चिचोली नगर परिषद के वार्ड क्रं 08 चन्द्रशेखर वार्ड में लगभग 45 लाख रुपए की लागत से बनाई जा रही आरसीसी सड़क के निर्माण में गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। इन आरोपों को लेकर नगर परिषद चिचोली की पार्षद नेहा रूपेश आर्य, वार्ड क्रं 15 ने कलेक्टर को विस्तृत शिकायत सौंपते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत में बताया गया है कि मुख्यमंत्री अधोसंरचना चतुर्थ चरण के अंतर्गत बरकाती गेट तक लगभग 6.5 मीटर चौड़ी आरसीसी सड़क का निर्माण प्रस्तावित है, लेकिन निर्माण नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। आरोप है कि सड़क का पूरा लेआउट डाले बिना और तकनीकी रूप से सक्षम

अधिकारियों की निगरानी के बिना ही कार्य कराया जा रहा है। पुरानी लगभग 4 मीटर चौड़ी सड़क के हिस्से में खुदाई किए बिना केवल दोनों किनारों से एक-एक मीटर खुदाई कर नई सड़क बनाई जा रही है, जबकि नियमों के अनुसार पूरे 6 मीटर क्षेत्र में खुदाई आवश्यक थी। शिकायत में यह भी कहा गया है कि अर्थ वर्क, सीआरएम और डीएलसी जैसे आवश्यक कार्य नहीं कराए जा रहे, जिससे सड़क की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि नगर परिषद चिचोली के मुख्य नगरपालिका अधिकारी, उपयंत्री और परिषद अध्यक्ष की मिलीभगत से ठेकेदार को लाभ पहुंचाया जा रहा है। पार्षद नेहा रूपेश आर्य ने यह भी उल्लेख किया है कि डीपीआर की मांग करने पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी द्वारा टालमटोल किया गया। लगातार नगर परिषद के निर्माण कार्य दादाजी कंट्रक्शन चिचोली को दिए जाने, पूर्व में घटिया कार्यों के आरोप और सड़क निर्माण में घटिया सीमेंट के उपयोग की भी शिकायत की गई है।

शिकायतकर्ता ने मांग की है कि नियमविरुद्ध निर्माण पर तत्काल रोक लगाई जाए, पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच हो, दोषी फर्म को ब्लैकलिस्ट किया जाए और जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

वार्ड क्रं. 09 उपचुनाव : नामांकन का अंतिम दिन

● भाजपा-कांग्रेस सहित तीन प्रत्याशियों ने भरा नामांकन

अनोखा तीर, सतवास। स्थानीय नगर परिषद के वार्ड क्रं 09 में होने वाले पार्षद उपचुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। महिला अनारक्षित सीट होने के कारण इस वार्ड से सभी प्रत्याशी महिलाएं मैदान में हैं। सोमवार को नामांकन के अंतिम दिन भाजपा, कांग्रेस और एक निर्दलीय प्रत्याशी ने तहसील कार्यालय पहुंचकर अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। भारतीय जनता पार्टी ने श्रीमती सुधा पति लक्ष्मण चौहान 33 वर्ष को प्रत्याशी बनाया है, जबकि कांग्रेस ने श्रीमती सोनम पति जुनेद शाह 25 वर्ष को मैदान में उतारा है। वहीं फरीदा बी माजिद कुरैशी निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रही हैं। इस प्रकार वार्ड क्रं 09 से कुल तीन महिला प्रत्याशियों ने नामांकन जमा किए। उल्लेखनीय है कि यह सीट पहले कांग्रेस के पास रही है। पूर्व पार्षद स्व. शेरबानो शाह कांग्रेस की ओर से दो बार निर्वाचित पार्षद रह चुकी थीं, उनके निधन के बाद यह सीट रिक्त हुई, जिसके चलते उपचुनाव कराया जा रहा है। कांग्रेस ने इस बार स्व. शेरबानो शाह की बहू सोनम शाह को प्रत्याशी बनाया है। भाजपा प्रत्याशी सुधा चौहान के समर्थन में नामांकन रैली के दौरान क्षेत्रीय विधायक मुरली भंवरा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं कांग्रेस की ओर से ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष लाला पटेल तथा सैकड़ों कार्यकर्ता अपने समर्थकों के साथ तहसील कार्यालय पहुंचे। सतवास तहसीलदार अरविंद दिवाकर ने जानकारी देते हुए बताया कि नाम निर्देशन की अंतिम तिथि सोमवार दोपहर 3 बजे तक थी।

उपलब्धियां गिनाने आई सरकार, सवाल सुनते ही बिगड़ा मंत्री का मिजाज

अनोखा तीर बैतूल।

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारिता की भूमिका केवल सरकार की उपलब्धियां गिनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि सत्ता से सवाल पूछना और जनता की आवाज़ को सामने रखना भी पत्रकारों का संवैधानिक दायित्व है। इसी मूल भावना के बीच बैतूल में आयोजित एक सरकारी पत्रकार वार्ता उस समय विवादों में आ गई, जब एक सामान्य सवाल पर प्रभारी मंत्री का रवैया अचानक आक्रामक हो गया। 13 दिसम्बर को मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार के दो वर्ष पूर्ण हो गए। इसी क्रम में सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रभारी मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल बैतूल पहुंचे थे। कलेक्टर सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में मंत्री ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और उपलब्धियों के आंकड़े प्रस्तुत किए। शुरुआत में माहौल सामान्य रहा और मंत्री ने पत्रकारों के कई सवालों के जवाब भी दिए। लेकिन वार्ता के दौरान जब एक पत्रकार ने बीपीएल कार्ड धारकों के सत्यापन बंद होने से जुड़ा सवाल किया, तो मंत्री का स्वर अचानक तीखा हो गया। उन्होंने पत्रकार से उल्टा सवाल करते हुए पूछा कि तुम्हें जिले की जनसंख्या मालूम है? मंत्री ने यह भी कहा कि इतनी बड़ी आबादी में यह संभव नहीं है कि कलेक्टर हर व्यक्ति या हर कॉल को रिसीव कर सके। मंत्री की इस प्रतिक्रिया से सभागार में कुछ समय के लिए असहज स्थिति बन गई।

● शिष्टाचार की सीख देने वाली भाजपा, मंत्रियों के व्यवहार पर मौन क्यों?

मंत्री की नाराज़गी के बीच कलेक्टर ने स्थिति को संभालने का प्रयास किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे अधिकांश पत्रकारों के फोन उठाते हैं और कई पत्रकारों के नाम व नंबर उनके मोबाइल में सेव हैं। कलेक्टर का यह बयान प्रशासन और मीडिया के बीच समन्वय का संकेत देता है, लेकिन मंत्री का व्यवहार पूरे घटनाक्रम का केंद्र बना रहा। इस घटना के बाद राजनीतिक और पत्रकारिता जगत में कई सवाल खड़े हो गए हैं। भारतीय जनता पार्टी अक्सर सार्वजनिक मंचों से शिष्टाचार, संवाद और लोकतांत्रिक मर्यादाओं की बात करती है। ऐसे में जब उसी पार्टी के एक

मंत्री पत्रकारों के सवालों पर आपा खो बैठें, तो यह स्वाभाविक है कि पार्टी की कथनी और करनी पर सवाल उठें। खासतौर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और स्वयं को मैनेजमेंट गुरु के रूप में प्रस्तुत करने वाले हेमंत खंडेलवाल की इस मामले में खामोशी भी चर्चा का विषय बनी हुई है। खबर लिखे जाने तक इस मामले को लेकर उनकी तरफ से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने मंत्रियों और पदाधिकारियों को मीडिया के प्रति संयम और सम्मानजनक व्यवहार की नसीहत दें। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम पर अब तक कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। पत्रकारों का कहना है कि सवाल पूछना किसी भी तरह का अपमान नहीं है, बल्कि यह जनता के मुद्दों को सामने लाने की प्रक्रिया है। यदि मंत्री और जनप्रतिनिधि सवालों से असहज होंगे, तो लोकतंत्र की मूल भावना को ठेस पहुंचेगी। पत्रकार वार्ता का उद्देश्य एकतरफा जानकारी देना नहीं, बल्कि सवाल-जवाब के माध्यम से पारदर्शिता स्थापित करना होता है। इस घटना ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि सत्ता में बैठे लोगों को आलोचना और सवालों को सहजता से स्वीकार करना चाहिए। लोकतंत्र में जवाबदेही ही सबसे बड़ी ताकत होती है। बैतूल की इस पत्रकार वार्ता से उठे सवाल केवल एक जिले तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह पूरे प्रदेश में सत्ता और मीडिया के रिश्तों पर गंभीर मंथन की आवश्यकता को दर्शाते हैं।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथी पर भाजपा ने अर्पित किए श्रद्धासुमन

अनोखा तीर, बैतूल। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 75वीं पुण्यतिथि पर जिला भाजपा कार्यालय विजय भवन में भाजपा परिवार ने उन्हें

श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर जिला महामंत्री कृष्णा गायकी ने कहा कि सरदार पटेल ने देश को एकसूत्र में पिरोने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। श्री गायकी ने कहा कि सरदार पटेल राष्ट्रीय एकता का प्रतीक और आधुनिक भारत के शिल्पकार रहे। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने खंड-खंड में बंटे आजाद भारत को तमाम प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद एकीकृत कर मजबूत राष्ट्र का रूप दिया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष इंद्रपाल पुण्डे, जिला कोषाध्यक्ष दीपक सलूजा, वरिष्ठ भाजपा नेता अरूण श्रीवास्तव, कैलाश धोटे, मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा, विक्रम वैद्य, कुणिलक डांगे, संजू सोलंकी, ममता मालवी, रितेश पंवार, सुनिता देशमुख, वर्षा खाड़े, नीलम वागद्रे, कविता रघुवंशी, सरिता रघुवंशी, मीना बोरबन, नीतू नानकर मौजूद रही।

अतिथि शिक्षको को दो माह से नहीं मिला मानदेय, कलेक्टर से त्वरित भुगतान की मांग

● वरिष्ठ कार्यालयों के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद अब तक नहीं हुआ भुगतान

अनोखा तीर, देवास। जिले के समस्त ब्लॉकों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों को विगत दो माह से मानदेय अब तक प्राप्त नहीं हुआ है, जिससे शिक्षकों में भारी आक्रोश और असंतोष व्याप्त है।

अतिथि शिक्षक संघ मध्यप्रदेश, जिला इकाई देवास भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध ने इस संबंध में जिला कलेक्टर के नाम एसएलआर राजेश सरवटे को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र भुगतान की मांग की है। जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश मालवीय ने बताया कि देवास जिले के कुछ ब्लाकों में दो व कुछ ब्लाकों में एक माह का वेतन अतिथि शिक्षकों को नहीं मिला है। भामसं जिलाध्यक्ष धनंजय गायकवाड़ एवं कंस्ट्रक्शन मजदूर महासंघ प्रदेश महामंत्री लोकेश विजयवर्गीय के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट में ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि संचालनालय लोक शिक्षण द्वारा 05 दिसंबर 2025 के आवंटन आदेश एवं 09 दिसंबर 2025 के पत्र में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि अतिथि शिक्षकों को प्रत्येक माह की 10 तारीख तक मानदेय का भुगतान किया जाए। इसके बावजूद देवास जिले में आज तक अक्टूबर व नवंबर माह का मानदेय जारी नहीं किया गया है। टोंकखुर्द ब्लॉक के अतिथि शिक्षकों को माह अक्टूबर-नवम्बर का मानदेय नहीं मिला है। मानदेय न मिलने के कारण जिले के सैकड़ों अतिथि शिक्षक गंभीर आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। शिक्षकों का कहना है कि समय पर भुगतान न होने से उनके परिवार की दैनिक आवश्यकताओं पर भी संकट खड़ा हो गया है। अतिथि शिक्षक संघ ने कलेक्टर से आग्रह किया है कि जिले के समस्त अतिथि शिक्षकों का नवंबर 2025 का लंबित मानदेय शीघ्र दिलवाया जाए, ताकि शिक्षकों को राहत मिल सके। इस दौरान सोनकच्छ ब्लॉक अध्यक्ष कमलेश जोशी, भावना चौधरी, हीना चांवला, अंकित मालवीय, संजना मालवीय, राजकुमार रघुवंशी, नितेश भारद्वाज, उज्जवल दुबे, महेन्द्र सिंह सोलंकी, सुषमा सोमनकर, भावना कुमावत आदि मौजूद रहे।

यातायात सुरक्षा को लेकर क्षेत्र में लगाए चेतावनी बोर्ड

अनोखा तीर, नेमावर। क्षेत्र में दुर्घटना संभावित क्षेत्र की सड़क पर दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से देवास पुलिस अधीक्षक पुनीत गहलोत के मार्गदर्शन में नेमावर थाना प्रभारी प्रदीप राय द्वारा थाना क्षेत्र अंतर्गत दुर्घटना संभावित स्थानों पर - कृपया धीरे चलें, सतर्क रहें, सुरक्षित रहें... संदेश वाले चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं। यह पहल विशेष रूप से उन मार्गों पर की गई है, जहां पूर्व में दुर्घटनाएं होने की संभावना अधिक रही है। इसी क्रम में ग्राम बोरदा सहित अन्य संवेदनशील स्थानों पर भी चेतावनी बोर्ड स्थापित किए गए हैं, ताकि वाहन चालकों को समय रहते सतर्क किया जा सके और हादसों में कमी लाई जा सके।

पुलिस की आमजन से अपील

नेमावर पुलिस द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि वाहन चलाते समय गति सीमा का पालन करें। हेलमेट एवं सीट बेल्ट का उपयोग अनिवार्य रूप से करें, तथा शराब पीकर वाहन चलाने से परहेज करें। इसके साथ ही किसी भी दुर्घटना या अप्रिय घटना की सूचना तत्काल डायल 112 अथवा नेमावर थाना प्रभारी के व्यक्तिगत मोबाइल नंबर 9425481001 पर देने की अपील की गई है, ताकि समय पर पुलिस एवं आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंच सकें। पुलिस प्रशासन का कहना है कि इस तरह की जागरूकता और सुरक्षा संबंधी प्रयास आगे भी लगातार जारी रहेंगे। जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित है।

विधायक उइके के निवास पर उमड़े बंगाली समुदाय के लोग

पट्टे की मांग को लेकर उठाई आवाज

अनोखा तीर, बैतूल/भौरा। विधायक श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उइके के भौरा निवास पर सोमवार को सैकड़ों की संख्या में बंगाली समुदाय के लोग एकत्रित हुए और अपनी पट्टे की मांग को लेकर आवाज उठाई। इस दौरान उन्होंने विधायक से मुलाकात की और अपनी समस्याओं को उनके सामने रखा। विधायक श्रीमती उइके ने बंगाली समुदाय के लोगों की मांगों को सुना और उन्हें

आश्वासन दिया कि वे उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा कि बंगाली समुदाय के लोगों के साथ हमेशा खड़े रहने के लिए वे प्रतिबद्ध हैं और उनकी मांगों को पूरा करने के लिए वे हर स्तर पर लड़ाई लड़ेंगी।

इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि और भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र मालवीय भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी बंगाली समुदाय के लोगों की मांगों का समर्थन किया और कहा कि वे उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। बंगाली समुदाय के लोगों ने विधायक श्रीमती उइके का आभार व्यक्त किया और कहा कि वे हमेशा उनके साथ खड़े रहेंगे। इस अवसर पर बंगाली समुदाय के लोगों ने विधायक के समर्थन में नारे लगाए और उनके नेतृत्व में अपनी मांगों को पूरा करने के लिए संघर्ष करने का संकल्प लिया।

विधायक श्रीमती उइके ने कहा कि वे जल्द ही इस मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री और संबंधित अधिकारियों से मुलाकात करेंगी और बंगाली समुदाय के लोगों की मांगों को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा कि बंगाली समुदाय के लोगों के साथ न्याय होना चाहिए और उन्हें उनका हक मिलना चाहिए। गौरतलब है कि पूर्व में 2610 परिवारों को पट्टे वितरित किए गए थे, जो पूर्व विधायक स्वर्गीय सज्जन सिंह उईके और वर्तमान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल के प्रयासों से संभव हुआ था। अब विधायक श्रीमती उइके ने आश्वासन दिया है कि बाकी के 527 परिवारों को भी पट्टे वितरित किए जाएंगे। राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने जवाब देते हुए बताया कि बैतूल जिले के विकासखंड घोड़ाडोंगरी के चोपना क्षेत्र में 32 ग्रामों में 2610 परिवारों को पुनर्वास के तहत बसाया गया था और उन्हें स्थाई पट्टे जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में सीमांकन की समस्याओं के संबंध में राजस्व अभिलेख अनुसार पट्टा आवंटित भूमि का सीमांकन आवेदन प्राप्त होने पर समय-समय पर निराकरण किया जा रहा है।

क्षिप्रा तट पर श्रीमद् भागवत ज्ञान कथा का भव्य शुभारंभ

कलश यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

अनोखा तीर, देवास। धूल महू, जिला उज्जैन निवासी प्रसिद्ध कथावाचक पं. नागेश्वर शर्मा के मुखारविंद से श्रीमद् संगीत भागवत ज्ञान कथा का भव्य शुभारंभ मां क्षिप्रा नदी तट पर धार्मिक विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। कथा प्रारंभ से पूर्व मां क्षिप्रा नदी तट पर श्रीमद् भागवत ग्रंथ एवं कलश की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इसके पश्चात महिलाओं द्वारा कलश में पवित्र जल भरकर सिर पर कलश धारण किया गया। इसके बाद भव्य चल समारोह निकाला गया, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुजन बैंड-बाजों के साथ भक्ति भाव में झूमते हुए शामिल हुए। चल समारोह के दौरान भक्तजनों एवं श्रद्धालुओं द्वारा पं. नागेश्वर शर्मा का स्थान-स्थान पर श्रीफल एवं पुष्पमालाओं से भव्य स्वागत किया गया। पूरा क्षेत्र भक्ति संगीत और जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर ग्राम के वरिष्ठ समाजसेवी

गौरीशंकर चौधरी ने समस्त ग्रामवासियों एवं क्षेत्रीय श्रद्धालुओं से श्रीमद् संगीत भागवत कथा श्रवण के लिए कथा स्थल पर अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आग्रह किया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रहलाद शर्मा द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, देशबंधु परिसर, प्लॉट नं.26-बी, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित अनोखा तीर कार्यालय नया बस स्टैंड के सामने, हरदा, म.प्र. से प्रकाशित। **प्रधान संपादक** सुरेश लोहाना / **संपादक** प्रहलाद शर्मा / **प्रबंध संपादक** महेश कौशिक। फोन : 07577-226771 मो.9425045480, समाचार चयन के लिए पी.आर. बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। **सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरदा रहेगा।**

सार-समाचार

चार कराते खिलाड़ियों ने जीता ब्रांस मेडल

इन्दौर में दो दिवसीय प्रतियोगिता संपन्न

अनोखा तीर, हरदा। मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय कराते प्रतियोगिता का आयोजन कराते एसोसिएशन एवं कराते इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में डेली कॉलेज इंदौर मे संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ कराते इंडिया के अध्यक्ष श्रीमंत विक्रम सिंह पवार, मध्यप्रदेश कराते एसोसिएशन के अध्यक्ष चंदू शिंद, जिला शिक्षा अधिकारी इन्दौर एवं डेली कॉलेज के प्रिंसिपल तथा मध्यप्रदेश कराते एसोसिएशन के सचिव विनय यादव ने दीप प्रज्जवलित कर किया गया। आयोजित प्रतियोगिता में प्रदेश के कई जिलो के कराते खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। जिसमें हरदा जिले से कराते

खिलाड़ी भी शामिल रहे। प्रतियोगिता में 35 किलोग्राम समूह में कुमारी मेंदेशा पिता डॉ श्रीचंद जाट ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त कर ब्रांस मेडल जीता। वही पीहू पिता निलेश सेन ने 30 किलोग्राम समूह में तीसरा स्थान प्राप्त कर ब्रांस मेडल जीता। बालक वर्ग में विहान पिता भूपेंन्द्र बिशनोई ने 35 किलोग्राम समूह मे ब्रांस मेडल जीता है। साथ ही 45 किलोग्राम समूह में मानस सेन ने तीसरा स्थान प्राप्त कर ब्रांस मेडल जीता। इसी तरह ईशा पिता सोहम सिंह राजपूत ने 30 किलोग्राम समहू तथा 42 किलोग्राम समूह में कशिश पिता हरिओम विशनोई ने कराते का बेहतर प्रदर्शन किया। अंत में प्रतियोगिता के समापन अवसर पर जिले के प्रशिक्षक अंतर्राष्ट्रीय खिलाडी निलेश सेन एवं जिला महिला प्रशिक्षक ब्लैक बेल्ट रेणुका सेन का अतिथियों के द्वारा सम्मान किया गया। वहीं कराते में उनके योगदान की प्रशंसा की। इधर, खिलाड़ियों की सफलता पर खेल प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त किया है।

राष्ट्रीय शालेय हैंडबॉल प्रतियोगिता में हरदा के छात्र करेंगे मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व

अनोखा तीर, हरदा। 69वीं राष्ट्रीय शालेय हैंडबॉल प्रतियोगिता (14 वर्ष बालक-बालिका) का आयोजन 5 जनवरी से 10 जनवरी तक चित्तौड़गढ़, राजस्थान में किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में हरदा जिले के विज़न इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के छात्र हिमांशु, पिता आशीष जाट एवं आर्या,

पिता शैलेंद्र सिंह राजपूत का चयन मध्य प्रदेश हैंडबॉल टीम में हुआ है। दोनों विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस उपलब्धि पर स्कूल के संस्थापक विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने, स्कूल संचालक कुणाल दोगने, प्राचार्य जॉन ए वर्गीस, मुकेश गुर्जर, कोच गौतम विश्वकर्मा एवं समस्त स्कूल स्टाफ ने हर्ष व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

मिडिल स्कूल मैदान पर स्वदेशी मेला आयोजन का हुआ भूमिपूजन

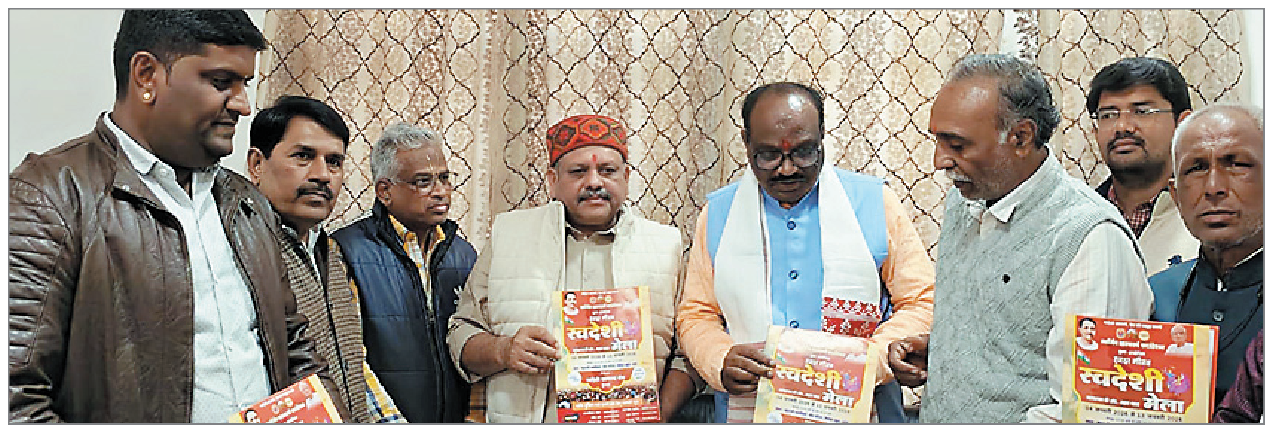

अनोखा तीर, हरदा। रानी लक्ष्मीबाई मिडिल स्कूल मैदान पर 4 जनवरी से 13 जनवरी तक स्वर्णिम भारत फाउंडेशन के तत्वाधान में आयोजित होने वाले स्वदेशी मेला के संदर्भ में भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। भूमिपूजन मप्र शासन के पूर्व मंत्री एवं स्वदेशी मेला आयोजन के संरक्षक कमल पटेल के माध्यम से किया गया। इस अवसर पर कमल पटेल ने अपने उद्बोधन में स्वदेशी अवधारणा को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आज पूरा विश्व हथियारों की दौड़ और व्यापारिक कूटनीति के माध्यम से आर्थिक युद्ध की स्थिति की ओर बढ़ रहा है। विकसित और विकासशील देशों के बीच टैरिफ नीति के माध्यम से संघर्ष चल रहा है। ऐसी परिस्थितियों में स्वदेशी क्रय-विक्रय और स्वदेशी रोजगार की भावना ब्रह्मोस मिसाइल की तरह प्रभावी सिद्ध होती है और आर्थिक युद्ध की स्थिति में विजय का माध्यम बनती है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी मेला इस भावना को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। स्वदेशी मेला के सहसंयोजक डॉ. एल.एन. पाराशर ने बताया कि इस वर्ष मेला व्यापक और विस्तृत स्वरूप में आयोजित किया जाएगा। मेले में बच्चों के लिए आकर्षक झूले, वरिष्ठ नागरिकों एवं नेत्र रोगियों के लिए विशेष स्वास्थ्य मेला तथा स्थानीय और प्रांतीय स्तर की सांस्कृतिक झलकियां देखने को मिलेंगी। स्वदेशी मेला आयोजन के लिए तैयार किए गए ब्रोशर का प्रकाशन केंद्रीय मंत्री एवं सांसद दुर्गादास उइके के कर कमलों से उनकी क्षेत्रीय यात्रा के दौरान उपस्थित गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी में किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह मेला स्व के भाव को जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और स्वदेशी भावना को मजबूती प्रदान करेगा। आयोजन पूर्ण अनुशासन एवं गरिमा के साथ किया जाएगा। भूमि पूजन कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष दर्शन सिंह गेहलोत, नगरपालिका उपाध्यक्ष अंशुल गोयल, मार्गदर्शक नरेन्द्र राठी, नरेन्द्र भांबू, बनबारी लाल यादव, ओपी राठौर, श्याम छपरवाल, बसंत राजपूत, योगमाया शर्मा, त्रिलोक शर्मा, शैलेश साबू, राजेश कपूर सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। सभी ने हरदा में स्वदेशी मेला के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

चर्चा में पलासनेर पंचायत !

शिकायत की तो झूठे केस में फंसाने की धमकी

जनसुनवाई में पहुंचे ग्राम पलासनेर के लोग

अनोखा तीर, हरदा।

निकटवर्ती ग्राम पंचायत पलासनेर इन दिनों खासी चर्चा में है। यहां के रहवासी सरपंच एवं सचिव समेत पंचायत के अन्य कर्ता-धर्ताओं के खिलाफ मुखर हो रहे हैं। इसका मुख्य कारण पंचायत अंतर्गत शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही तथा महत्वपूर्ण कार्यो में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए है। गांव के लोगों ने बकायदा इसकी शिकायत की है। वहीं जिन कार्यो में भ्रष्टाचार का अंदेशा है, उनका खुलासा किया है। इसी बीच मंगलवार को पंचायत के लोग सरपंच के खिलाफ जनसुनवाई में आवेदन देने पहुंचे। आवेदन के माध्यम से जहां सरपंच सरोज चौरसिया पर झूठे प्रकरण में फंसाने की धमकी देने की शिकायत की है। जिस पर पुलिस अधीक्षक ने ग्रामवासियों को आश्वस्त किया कि बगैर जांच कोई केस दर्ज नही करेंगे। उपेन्द्र विश्नोई ने कहा कि बीते 10 दिसम्बर को पंचायत अंतर्गत शासकीय कार्यो में भ्रष्टाचार संबंधी शिकायत ग्रामीणों ने की थी। इस बात से गुस्साई सरपंच गांव गरीब लोगों को धमकी भरे लहजे में डरा रही हैं। उन्होंनें यह भी बताया कि पंचायत में सड़क का पैसा निकाल लिया, लेकिन निर्माण कार्य का पता नही है। इसी तरह तालाब का पैसा भी निकाल लिया था। जिसकी शिकायत के बाद आनन-फानन में जेसीबी से खुदाई की है। उन्होंनें यह भी कहा कि गलत को गलत कहने पर डर दिखाया जा रहा है।

- **सचिव की कार्यप्रणाली पर भी सवाल** - ग्रामीणों के अनुसार पूरे मामले में पंचायत सचिव ओमप्रकाश गुर्जर की भी कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। क्योंकि सचिव की जबावदेही बनती है कि शासकीय कार्यो का सही एवं समय पर क्रियान्वयन हो। किंतु, ग्रामीणों के मुताबिक यहां तस्वीर उलट है।
- **पंचायत के कार्यो की जांच की मांग** - इससे पहले कलेक्ट्रेट पहुंचे ग्रामीणों ने भी भष्ट्राचार एवं मनमानी का आरोप लगाया था। उपेन्द्र ने बताया कि पूर्व में की गई शिकायत पर कोई ठोस कार्रवाई नही हुई है। यही कारण है कि संबंधितों के हौसलें बुलंद हुए है। फलस्वरूप धमकी और मारपीट का डर दिखाया जा रहा है।

जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ कार्यवाही जारी

अनोखा तीर, हरदा। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन के निर्देशन में हरदा जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार कार्यवाही जारी है। जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि अवैध उत्खनन की शिकायत पर गत दिवस 5 दिसम्बर को खनिज अधिकारी द्वारा ग्राम कपासी, तहसील रहटगांव में शिकायत की जांच की गई, जिसमें ठेकेदार द्वारा 800 घन मीटर का अवैध उत्खनन पाया गया। इस संबंध में प्रकरण तैयार कर अग्रिम कार्यवाही हेतु अपर कलेक्टर न्यायालय हरदा में प्रेषित किया जा रहा है। इसी प्रकार 5 दिसम्बर को ग्राम हंडिया में अवैध भंडारण की जांच की गई। जांच के दौरान मेसर्स प्रजापति ट्रेडर्स हंडिया एवं सानवी ट्रेडर्स हंडिया द्वारा 24 घन मीटर का अवैध भंडारण पाया गया, जिसका प्रकरण तैयार कर अपर कलेक्टर न्यायालय हरदा में प्रेषित किया जा रहा है। सभी प्रकरणों में म.प्र. अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण नियम 2022 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी।

फर्जी फर्मों से 10 करोड़ का लेनदेन, 9 आरोपी गिरफ्तार

- फर्जी फर्म-सिम से चल रहा था नेटवर्क

अनोखा तीर, बैतूल। स्थानीय पुलिस ने सोमवार को साइबर अपराध के एक संगठित और हाईटेक नेटवर्क का खुलासा हुआ है। पुलिस ने पिछले सात महीनों में एक ही म्यूल खाते से 10 करोड़ रुपए से अधिक के लेनदेन का पता लगाया है। यह गिरोह फर्जी फर्मों, म्यूल खातों और अवैध सिम कार्डों का उपयोग कर ऑनलाइन बेटिंग और साइबर ठगी के पैसे को देशभर में घुमा रहा था। एसपी वीरेंद्र जैन और एएसपी कमला जोशी के निर्देश पर गठित साइबर सेल और विशेष एसआईटी टीम ने अब तक नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। हालिया कार्रवाई में अश्विन धर्मवाल, प्रवीण जायसवाल और पीयूष राठौड़ को पकड़ा गया है। आरोपी अश्विन धर्मवाल ने खिरकिया जिला हरदा में अश्विन एग्रो नामक एक फर्जी फर्म पंजीकृत कराई थी। इस फर्म का चालू खाता ऑनलाइन बेटिंग के पैसों के लेनदेन के लिए अन्य आरोपियों को सौंपा गया था। इस खाते से कुल 10 करोड़ 12 लाख रुपए का ट्रांजैक्शन हुआ। इस मामले में पुलिस ने कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

खातों को उपलब्ध कराने मिलता था कमीशन

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रवीण जायसवाल बैंक खाते खुलवाने और उपलब्ध कराने का काम करता था। जांच में सामने आया है कि उसने इंदौर, खंडवा, हरदा और महाराष्ट्र में लगभग 50 फर्जी खाते खुलवाए थे, जिनमें से 20 चालू खाते सक्रिय थे। इन खातों को उपलब्ध कराने के एवज में उसे कमीशन मिलता था, जो बचत खाते पर 10 हजार रुपए और चालू खाते पर 26 हजार 500 रुपए तक था। पीयूष राठौड़ अवैध सिम कार्ड उपलब्ध कराता था। वह ग्राहकों के नाम पर दो बार बायोमेट्रिक सत्यापन करता था, एक सिम ग्राहक को देता और दूसरी अपने पास रखकर अपराधियों को बेच देता था। उसने मुख्य आरोपी राजा को 5 हजार रुपए में दो सिम बेचे थे। 20 नवंबर से शुरू हुई इस कार्रवाई में अब तक नौ आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हैं। इनमें राजा उर्फ आयुष चौहान, अंकित राजपूत, नरेंद्र सिंह राजपूत, अमित अग्रवाल, राजेंद्र राजपूत, ब्रजेश महाजन, अश्विन धर्मवाल, प्रवीण जायसवाल और पीयूष राठौड़ शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों से जब्त किए गए मोबाइल फोन फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे हैं। मनी-ट्रेल और नेटवर्क से जुड़े अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है। उक्त पूरे ऑपरेशन में डीएसपी दुर्गेश आर्मो, निरीक्षक नीरज पाल, एसआई अश्विनी चौधरी साइबर, नवीन सोनकर साइबर, एसआई उत्तम मस्तकार, राकेश सारेयाम, रवि शाक्य, प्रधान आरक्षक तरुण पटेल, शिव उइके, आरक्षक दीपेन्द्र सिंह साइबर, राजेंद्र धाड़से साइबर, बलराम राजपूत साइबर, पंकज साइबर एवं सचिन हनवते साइबर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

राज-काज

- दिनेश निगम 'त्यागी'

संतोष वर्मा ने बना दिए समाज में बंटवारे के हालात....!

ब्राह्मण समाज और हाईकोर्ट पर टिप्पणी करने वाले अजाक्स के अध्यक्ष आईएएस संतोष वर्मा का आईएएस अवार्ड वापस लेने और पद से हटाने के संबंध में राज्य सरकार ने केंद्र को आग्रह पत्र तो भेज दिया, पर मामला यहीं ठंडा होता दिखाई नहीं पड़ रहा। प्रदेश में सामाजिक सद्भाव न खराब हो और समाज में बंटवारे जैसे हालात न बनें, इसके लिए सरकार को सतर्क रहना होगा। वर्मा की टिप्पणी के बाद ब्राह्मण संगठन गुस्से में थे। समाज के संयुक्त मोर्चा ने मुख्यमंत्री निवास के घेराव का ऐलान कर दिया था, वर्मा इस पर कोई टिप्पणी नहीं कर रहे थे। जैसे ही राज्य सरकार ने उनके खिलाफ कार्रवाई का निर्णय लिया, अजाक्स, आदिवासी और पिछड़ा वर्ग संगठन उनके समर्थन में मोर्चा संभालते दिख रहे हैं। आदिवासियों का संगठन जयस इंदौर में बड़ी पद यात्रा निकाल चुका है। भोपाल में अजाक्स ने प्रदर्शन कर राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा है। छतरपुर में पिछड़ा वर्ग महासभा ने कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंप कर संतोष वर्मा को न्याय देने की मांग की है। आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष सांसद चंद्रशेखर भी कह चुके हैं कि संतोष के खिलाफ कार्रवाई हुई तो हर घर से एक संतोष पैदा होगा। साफ है कि इस मसले को लेकर समाज के अंदर वर्ग संघर्ष के हालात बन सकते हैं, इसे लेकर असंतोष को दबाने और सतर्क रहने की जरूरत है।

भाजपा की गुटबाजी पर अंकुश नहीं लगा पा रहे हेमंत...

अपना कार्यभार ग्रहण करने के साथ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने पार्टी में अनुशासन को लेकर सख्त संदेश दिया था। अनुशासन तोड़ने या पार्टी की छवि खराब करने वाले कुछ छोटे नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की गई जबकि कुछ बड़े नेताओं को समझाइश दी गई थी। सागर में मंत्री गोविंद सिंह राजपूत और पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह को एक दूसरे के घर ले जाकर सुलह कराने की कोशिश की थी। पर लगता है वे भाजपा के अंदर गुटबाजी पर अंकुश नहीं लग पा रहे।

दमोह के हटा और छिंदवाड़ा के ताजा मामले इसके ताजा उदाहरण हैं। हटा में भाजपा विधायक उमा देवी खटीक ने पार्टी की एक बैठक में अपनी ही सरकार के दो मंत्रियों पर आरोप लगा दिए। प्रभारी मंत्री इंदर सिंह परमार के सामने उन्होंने कहा कि जिले के दो मंत्री लगातार उनके विधानसभा क्षेत्र में हस्तक्षेप कर रहे हैं। अगर मंत्री हटा में हस्तक्षेप बंद नहीं करते तो वे वहां कार्यालय खोल लें, मैं इस्तीफा दे दूंगी। गुटबाजी किस स्तर तक पहुंच गई है, अंदाजा लगाया जा सकता है।

दूसरा, छिंदवाड़ा में जिलाध्यक्ष शेषराव यादव और सांसद बंटी साहू के बीच छत्तीस का आंकड़ा है। एक आयोजन में शहर भर में पार्टी के बैनर-पोस्टर लगे, उनमें सभी नेताओं के नाम फोटो थे लेकिन सांसद बंटी साहू नदारद थे। हेमंत की कोशिश के बावजूद सागर में गोविंद-भूपेंद्र के बीच सब कुछ ठीक नहीं है।

कॉश, पहले जैसा न हो इस 'बुंदेलखंड पैकेज' का हश्र....!

केंद्र में जब मनमोहन सिंह के नेतृत्व में यूपीए की सरकार थी तब उप्र और मप्र के बुंदेलखंड के लिए बड़े पैकेज की घोषणा की गई थी। उम्मीद थी कि इससे अंचल का कायाकल्प होगा, पर नतीजा अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा। विकास से ज्यादा चर्चा बुंदेलखंड पैकेज में भ्रष्टाचार की हुई। अब प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने खजुराहो से इस अंचल के लिए पैकेज का ऐलान किया है। इसकी घोषणा होते ही पहला सवाल यही उठा कि इसका हश्र भी तो पहले वाले बुंदेलखंड पैकेज जैसा नहीं होगा? हालांकि अधिकाशं की राय इसके विपरीत है। दरअसल, डॉ.यादव ने अपने मंत्रियों और अफसरों के साथ दो दिन तक खजुराहो में डेरा डालकर बुंदेलखंड पर फोकस बनाया। मंत्रिपरिषद की बैठक के साथ यहां कई विभागों की समीक्षा की। केबिनेट में जो निर्णय लिए गए, उसे देखकर ही लगा कि बुंदेलखंड के चौतरफा विकास का प्लान बनाया गया है। स्वास्थ्य सेवाओं के लिहाज से मेडिकल कॉलेजों को लेकर घोषणा हुई। दमोह के लिए सिंचाइ परियोजना स्वीकृत हुई। सागर से दमोह के बीच फोरलेन सड़क के लिए बजट दिया गया। इससे भी आगे बढ़कर सागर में औद्योगकि पार्क के लिए 24 हजार करोड़ से ज्यादा खर्च करने की घोषणा की गई। अर्थात, स्वास्थ्य, सिंचाई, सड़क और उद्योग सहित प्रमुख क्षेत्रों की ओर ध्यान दिया गया। साफ है कि यह पैकेज बुंदेलखंड की तरक्की के द्वार खोल सकता है।

वंदेमातरम पर टिप्पणी करने से बच सकते थे मसूद...

जब देश के अंदर वंदेमातरम को लेकर भाजपा- कांग्रेस के बीच बहस छिड़ी है। भाजपा वंदेमातरम के टुकड़े करने के लिए पंडित जवाहर लाल नेहरू को जवाबदार ठहरा रही है। जवाब में कांग्रेस आजादी की लड़ाई में आरएसएस पर अंग्रेजों के साथ खड़ा होने का आरोप लगा रही है। कांग्रेस का यह भी कहना है कि वंदेमातरम सबसे पहले कांग्रेस के मंच से ही गाया गया। ऐसे में कांग्रेस के ही विधायक आरिफ मसूद का यह कहना कि वे वंदेमातरम नहीं गा पाएंगे, पार्टी को असहज करने वाला है। आरिफ ऐसा बयान देने से बच सकते थे। वैसे भी आजादी की लड़ाई में हिंदू हों, सिख अथवा मुसलमान, सभी वंदेमातरम गा रहे थे। मुस्लिम समाज को ध्यान में रखकर ही वंदेमातरम के दौ पैरे गाए जा रहे थे। आरिफ कह सकते थे कि यह गाने में उन्हें कोई परहेज नहीं। इसकी बजाय वंदेमातरम न गाने की बात कहकर आरिफ जिन्ना समर्थक मुस्लिमों की कतार में खड़े हो गए। यह ठीक है कि आरिफ को भोपाल मध्य विधानसभा सीट में मुस्लिमों का एकमुश्त वोट मिलता है लेकिन यदि उन्हें हिंदू समाज वोट न दे तो वे चुनाव नहीं जीत सकते। लगातार दो बार उनकी जीत गैर हिंदू वोटों के कारण ही हुई है। वंदेमातरम पर ताजा बयान देकर वे हिंदू समाज के कोप का भाजन बन सकते हैं।

यह एक छात्रा खिलाड़ी नहीं आम बच्चों की समस्या...

प्रदेश में छतरपुर जिले के चंदला की एक छात्रा खिलाड़ी की हिम्मत को दाद देना होगी। उसने एक झटके में छात्रों व अन्य लोगों की बड़ी पीड़ा और समस्या का ध्यान सभी की ओर खींच दिया। अवसर था चंदला में आयोजित सांसद खेल महोत्सव का। इसमें खिलाड़ियों और बच्चों को सुबह 9-10 बजे से ही बुला लिया गया था। क्षेत्रीय सांसद और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा को कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की हैसियत से पहुंचना था लेकिन वे पहुंचे अपरान्ह लगभग 3 बजे। जब वे खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर रहे थे तो एक छात्रा उन पर भड़क गई। उसने कहा कि 'नमस्ते ठीक है, लेकिन हम इतनी देर से इंतजार कर रहे हैं, हमारे पास इतना फालतू टाइम है क्या? हमारी परेशानी कौन समझेगा?' छात्रा का अचानक यह सवाल सुनकर सभी दंग और हैरान रह गए। हालांकि शर्मा ने मुस्कुराते हुए खिलाड़ी को दुलार कर समझाया और आगे बढ़ गए। छात्रा खिलाड़ी और सांसद के बीच के इस संवाद का वीडियो जमकर वायरल हुआ। मामला शांत भले हो गया लेकिन यह पीड़ा अकेले एक छात्रा की नहीं बल्कि उन हजारों बच्चों और छात्रों की है, जिन्हें विभिन्न कार्यक्रमों में अतिथियों के स्वागत, नृत्य अथवा भीड़ दिखाने के उद्देश्य से बुलाया जाता है लेकिन वे कई घंटे इंतजार में धूप, ठंड और बारिश में खड़े रहते हैं। कॉश, नेता बच्चों की यह पीड़ा समझ पाते!